वर्ष-11 अंक-43 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, शनिवार 19अप्रैल 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटर्वक

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

दुनिया की शीर्ष सैन्य शक्ति बनेगा भारत', राजनाथ बोले- 2029 तक तीन लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन का लक्ष्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। डिफेंस कॉन्क्लेव 2025-फोर्स ऑफ द फ्यूचर में राजनाथ ने कहा कि भारत रक्षा उपकरणों के आयात पर अपनी निर्भरता कम करेगा और एक रक्षा औद्योगिक परिवेशी तंत्र बनाएगा। यह तंत्र न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि रक्षा निर्यात की क्षमता को भी मजबूत करेगा। वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल विकसित देश के रूप में उभरेगा, बल्कि हमारी सैन्य शक्ति भी विश्व में शीर्ष पर होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत विश्व की नंबर एक सैन्य शक्ति के रूप में उभरेगा। सिंह ने कहा, इस साल देश का रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है और 2029 तक तीन लाख करोड़ के सैन्य उपकरणों के निर्माण का लक्ष्य है।डिफेंस कॉन्क्लेव 2025-फोर्स ऑफ द फ्यूचर में राजनाथ ने कहा कि भारत रक्षा उपकरणों के आयात पर अपनी निर्भरता कम करेगा और एक रक्षा औद्योगिक परिवेशी तंत्र बनाएगा। यह तंत्र न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि रक्षा निर्यात की क्षमता को भी मजबूत करेगा। वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल विकसित देश के रूप में उभरेगा, बल्कि हमारी सैन्य शक्ति भी विश्व में शीर्ष पर होगी। सिंह ने कहा, भारत न केवल अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय रक्षा परिवेशी तंत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी अपनी स्थिति बना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र का पुनरुद्धार और सुदृढ़ीकरण सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। सरकार की पहली और सबसे बड़ी चुनौती इस मानसिकता को बदलना है कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल आयात करेगा।रक्षा मंत्री ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम न केवल देश के रक्षा उत्पादन को मजबूत कर रहा है, बल्कि इसमें वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को लचीला और सुदृढ़ बनाने की क्षमता भी है। सिंह ने कहा कि आज, जहां भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लचीला बनाने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान दें; बांग्लादेश की टिप्पणी से बिफरे भारत की दो टूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और कुछ अन्य जगहों पर हुई हिंसा को लेकर बांग्लादेश की घटनाओं के साथ समानता दिखाने का छिपा हुआ और धूर्त प्रयास है।भारत ने बांग्लादेश को आइना दिखाया और कहा, वहां

ने आपत्तिजनक टिप्पणी की है। बांग्लादेश के रवैये से बिफरे विदेश मंत्रालय ने दो टूक लहजे में जवाब दिया। भारत ने कहा है कि बांग्लादेश को अल्पसंख्यकों के अधिकारियों की रक्षा पर ध्यान देना चाहिए। पश्चिम बंगाल की हिंसा पर टिप्पणी करने वाले बांग्लादेश को भारत ने खरी-खरी सुनाई है। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के बयान का संज्ञान लिया और कहा कि पड़ोसी देश को अपने देश में रहने वाले अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। बांग्लादेश की टिप्पणी से बिफरे भारत ने दो टूक लहजे में कहा, 'हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को अस्वीकार करते हैं। ऐसी टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं का समाधान करने की जगह, हिंसा हिंसा जैसे कृत्यों में संलिप्त अपराधी खुलेआम घूमते रहते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पड़ोसी देश को भारत के मामलों में अनुचित टिप्पणी करने और खुद को अच्छा बताने के बजाय, बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत और बांग्लादेश संबंधों से जुड़े एक सवाल पर कहा था कि, भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की उम्मीद करता है। हम एक लोकतांत्रिक, समावेशी बांग्लादेश के पक्ष में हैं। बता दें कि तल्ख होते रिश्तों के कारण पिछले सप्ताह भारत ने बांग्लादेश को मध्य पूर्व, यूरोप और अन्य देशों के लिए अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से दी जाने वाली ट्रांसशिपमेंट सुविधा वापस लेने की घोषणा की थी।

पूर्व रॉ चीफ की किताब के विमोचन से रिटायर्ड सीजेआई का इनकार, फारूक अब्दुल्ला से जुड़ा है विवाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने देश की खुफिया एजेंसी-" के पूर्व प्रमुख एएस दुलत की किताब का विमोचन करने से इनकार कर दिया है। दुलत की किताब के उस अंश पर विवाद हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि निजी तौर पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से जुड़े विवाद के कारण देश के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर ने कहा है कि वे रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत की नई किताब का विमोचन नहीं करेंगे। पूर्व रॉ चीफ एएस दुलत की नई किताब को लेकर दावा किया गया है कि उन्होंने इसमें फारूक अब्दुल्ला से जुड़े ऐसे प्रसंग का उल्लेख किया है, जो संवेदनशील है। दुलत के मुताबिक फारूक

अब्दुल्ला ने निजी रूप से अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन किया था। विवाद होने पर खुद एएस दुलत ने कहा- 'मुझे पूरी तरह से गलत समझा गया है। ऐसा कुछ भी नहीं लिखा गया है। मेरी किताब आलोचना नहीं, बल्कि फारूक साहब की सराहना है।' वहीं इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने भी किताब को लेकर गलत जानकारी और तथ्यों में गड़बड़ी की बात कही और कहा- एक दोस्त इस तरह नहीं लिखता। गौरतलब है कि पूर्व रॉ चीफ एएस दुलत ने अपनी नई किताब में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से जुड़े जिस प्रसंग का जिक्र किया है, वह देश के संविधान के अनुच्छेद 370 से जुड़ा है। बाद में विवाद होने पर दुलत ने कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया। उन्होंने अपनी किताब में अब्दुल्ला की सराहना की है। पूर्व ख़ुफ़िया अधिकारी एएस दुलत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ दोनों में सेवाएं दे चुके हैं। 1990 के दशक में उन्होंने कश्मीर ग्रुप का नेतृत्व किया। रिटायरमेंट के बाद जनवरी 2001 से मई 2004 तक वे प्रधानमंत्री कार्यालय में कश्मीर मामलों के सलाहकार रहे।

लगातार मजबूत हो रहा भारत का रक्षा क्षेत्र, वार्षिक उत्पादन 1.75 लाख करोड़ पहुंचने की संभावना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रिकॉर्ड ऑर्डर और

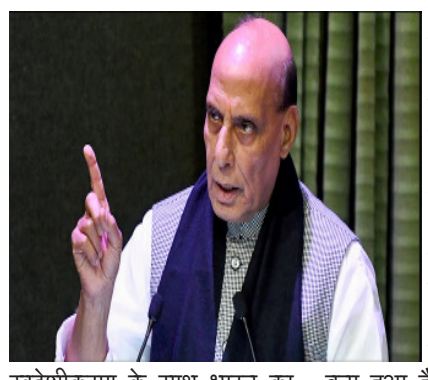

स्वदेशीकरण के साथ भारत का रक्षा क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है। ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण बना हुआ है। इसमें सरकार का स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने पर केंद्रित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रिकॉर्ड ऑर्डर और स्वदेशीकरण के साथ भारत का रक्षा क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है। ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण बना हुआ है। इसमें सरकार का स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने पर केंद्रित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत का रक्षा क्षेत्र स्वदेशीकरण की दिशा में मजबूत कदम, ठोस ऑर्डर पाइपलाइन और बढ़ती विकास संभावनाओं के बल पर स्थिर वृद्धि की ओर अग्रसर है। ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण बना हुआ है। इसमें सरकार का स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने पर केंद्रित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हम रक्षा क्षेत्र पर सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखते हैं, जिसमें स्वदेशीकरण की निरंतर कोशिशें, मजबूत ऑर्डर पाइपलाइन और महत्वपूर्ण विकास क्षमता शामिल हैं।

वक्फ कानून के प्रावधानों पर कोर्ट का अंतरिम आदेश सामान्य प्रक्रिया', पूर्व कानून मंत्री का बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट

ने केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। पूर्व कानून मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश से साफ है कि कोर्ट सात दिन बाद सांविधानिक कानून के महत्वपूर्ण सवालों के कारण मामले पर सुनवाई करेगा। वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून के प्रावधानों पर कोर्ट का अंतरिम आदेश सामान्य प्रक्रिया है। महत्वपूर्ण मामलों कोर्ट अक्सर ऐसा करते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि याचिकाकर्ता हार गए या केंद्र सरकार जीत गई। पूर्व कानून मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश से साफ है कि कोर्ट सात दिन बाद सांविधानिक कानून के महत्वपूर्ण सवालों के कारण मामले पर सुनवाई करेगा। अंतरिम आदेश भी कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन के बाद दिया है। इससे साफ है कि कोर्ट महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई में सामान्य प्रक्रिया अपना रहा है। इसका मतलब बिल्कुल यह नहीं है कि याचिकाकर्ता जीत गए या हार गए और न ही ये है कि सरकार हार गई या जीत गई। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक 'उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ' या 'दस्तावेजों की ओर से वक्फ' संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख पांच मई तय की।सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए। इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है। इसे कानून का हिस्सा माना जाता है। अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा। उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा।

बंगलूरू में एक व्यक्ति ने व्यस्त सड़क के बीचोबीच डाली कुर्सी, बैठकर पी चाय और बनाई रील; गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बंगलूरू। कर्नाटक की राजधान बंगलूरू में गुरुवार को एक अजीबोगरीब मामला सामने आया।

यहा एक शख्स ने सड़क के बीचोबीच कुर्सी डाल ली। फिर उस पर बैठकर उसने चाय भी पी। ऐसे उसने रील बनाने के लिए किया। यह पूरा वाकया ऐसे वक्त हुआ, जब सड़क पर काफी गाड़िया चल रही थीं। अब व्यक्ति पर पुलिस का चाबू चला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।बंगलूरू पुलिस ने गुरुवार को बताया कि इंस्टाग्राम रील के लिए सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक स्टंट करके लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी सड़क पर कुर्सी पर बैठकर चाय पीता हुआ दिखाई दिया। रील 12 अप्रैल को मगदी रोड पर शूट की गई थी। बाद में वीडियो को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। वायरल क्लिप के बाद, पुलिस ने जांच शुरू की और उसे ट्रैक किया।पुलिस ने एक्स पर पोस्ट किया, 'ट्रैफिक लाइन में चाय पीने से आपको भारी जुर्माना लगेगा, प्रसिद्धि नहीं!!! सावधान रहें, बीसीपी आपको देख रही है।' पुलिस ने उसके स्टंट और गिरफ्तारी को दिखाने वाले वीडियो को टैग किया। पुलिस ने कहा कि इस तरह का लापरवाह व्यवहार दंडनीय अपराध है और यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी कि लोगों की सुरक्षा से समझौता न हो।

'मांस-मछली खाने वाले गंदे होते हैं', मुंबई में मांसाहार पर रार, मनसे ने दी धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बुधवार रात को मनसे के कार्यकर्ता सोसाइटी पहुंच गए और वहां हंगामा कर दिया। इस दौरान मनसे कार्यकर्ताओं ने सोसाइटी में रह रहे गुजराती लोगों को धमकाया और कहा कि अगर

उन्होंने मराठी लोगों से बदतमीजी की तो उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मुंबई की एक रिहायशी सोसाइटी में गुजराती और मराठी लोगों में शाकाहार बनाम मांसाहार के मुद्दे पर विवाद हो गया और अब इस विवाद में मनसे की भी एंट्री हो गई है। मनसे ने धमकी दी है कि जिसे मांसाहार से दिक्कत है, उसे महाराष्ट्र में नहीं रहना चाहिए। पुलिस ने मामले में दखल दी है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। दरअसल मामला मुंबई के घाटकोपर इलाके का है। जहां संभव दर्शन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी है। इस सोसाइटी में मराठी के साथ-साथ कई गुजराती परिवार भी रहते हैं। एक रहवासी ने दावा किया है कि उसके पड़ोसियों ने उसके मांस-मछली खाने पर आपत्ति जताई है। सोसाइटी में रहने वाले राम रिंगे ने दावा किया है कि उसके पड़ोसियों ने कथित तौर पर कहा कि 'मराठी लोग गंदे होते हैं क्योंकि ये मांस-मछली खाते हैं।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस विवाद के बाद राम रिंगे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से संपर्क किया और उसके साथ हो रहे कथित भेदभाव की जानकारी दी। बुधवार रात को मनसे के कार्यकर्ता सोसाइटी पहुंच गए और वहां हंगामा कर दिया। इस दौरान मनसे कार्यकर्ताओं ने सोसाइटी में रह रहे गुजराती लोगों को धमकाया और कहा कि अगर उन्होंने मराठी लोगों से बदतमीजी की तो उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मनसे कार्यकर्ता कह रहे हैं कि 'उन्हें लगता है कि मराठी गंदे होते हैं। इसका मतलब है कि महाराष्ट्र भी गंदा है तो फिर वे इस गंदी जगह क्यों आए?' इसके बाद मनसे समर्थक ने धमकी दी कि अगर उन्होंने मराठी लोगों से बदतमीजी जारी रखी तो उनका सोसाइटी से बाहर निकलना मुश्किल कर देंगे। सोशल मीडिया पर घटना के वायरल होने के बाद पुलिस को भी इसकी सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कहा है कि वे घटना की जांच कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि गुजराती मुंबई में लगातार मराठी लोगों का अपमान कर रहे हैं।

पंचायत चुनाव के उम्मीदवारों को धमकाने के आरोपों पर सीएम सरमा का जवाब, कहा- कांग्रेस ने असम को बदनाम किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पिछले दिनों भाजपा और पुलिस पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को धमकाने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। सीएम

हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम में 22 हजार से ज्यादा गांव हैं, लेकिन उन्होंने केवल एक या दो का उदाहरण दिया है। प्रशासन सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। जिला प्रशासन और पुलिस तटस्थ रहेगी। हम शांतिपूर्ण चुनाव चाहते हैं। पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों को नाम वापसी का दबाव डालने के विपक्ष के आरोपों का असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने जवाब दिया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा असम को बदनाम करने की कोशिश की है। अगर पुलिस के जरिये किसी को धमकाया जाता तो इसकी खबर हर जगह होती। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि लेकिन मैंने स्थानीय समाचार और टीवी चैनलों पर खबर नहीं देखी है। राभा हसोंग चुनाव हुए, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। असम में 22 हजार से ज्यादा गांव हैं, लेकिन उन्होंने केवल एक या दो का उदाहरण दिया है। प्रशासन सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। जिला प्रशासन और पुलिस तटस्थ रहेगी। हम शांतिपूर्ण चुनाव चाहते हैं। सीएम सरमा ने कहा कि कांग्रेस नेता किसी भी उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएं। हमें कोई खास आरोप हो तो बताएं। हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में नाम वापसी नहीं हुई है। 300 सीटों पर दो हजार से अधिक ने नामांकन किया। इतने ज्यादा नाम वापस नहीं लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि चुनाव परिणाम क्या होगा? विपक्ष एकजुट होकर लड़े तो हमारे लिए भी चीजें आसान होंगी। हमें भी पता चल जाएगा कि हम कहां खड़े हैं। क्योंकि लोकसभा चुनाव को एक साल बीत चुका है और विधानसभा चुनाव एक साल बाद है। हम चाहते हैं कि चुनाव ऐसा हो कि हम लोगों की भावनाओं को समझ सकें। हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस ने पिछले दिनों भाजपा और पुलिस पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को धमकाने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।

न तो चाहिए ममता का बांग्लार बाड़ी और न ही 10 लाख रुपये', पीड़ितों का छलका दर्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गांव के अंतिम छोर में

गंगा नदी के किनारे शांत इलाके में एक घर... दोपहर का समय... घर के मुख्य दरवाजे टूटे हुए हैं, दरवाजे की सीढ़ियों पर ईंटों के टूटे टुकड़े आज भी ज्यो के त्यों हैं। शनिवार को उस घर पर हजारों उपद्रवियों ने क्या कहा होगा, उसे कहने के लिए शब्द भी कम पड़ जाए। सारा दृश्य खुद-ब-खुद बता रहा है कि हैवानियत की कहानी... यह घर है मुर्शिदाबाद के धुलियान के जाफराबाद के हरगोबिंद दास और और चंदन दास का, जिन्हें घर से निकाल कर आताताइयों ने कई बार वार करके हत्या कर दी थी। एक ही दिन पिता और पुत्र की अर्थी उठी। घर पर पूरी तरह से मातम परसा हुआ है। घर कॉरीडोर से अंदर जाने पर पूरे घर में सामन बिखरा पड़ा है। कॉरिडोर के आखिर एक कोने में एक बुजुर्ग महिला बैठी हैं, शांत, चुपचाप और गुमसुम... बहुत देर बाद खुद ही बोल पड़ती हैं... आमि चाइ ना ममता दीदीर बांग्लार बाड़ी (यानि मैं ममता दीदी की बांग्लार घर).. फिर चुप हो जाती हैं... कहती हैं कि करबो टाका निए (पैसे लेकर क्या करूंगी)... फिर मौन हो जाती हैं। फिर लंबी सांस छोड़कर कहती हैं, कि टाका थिके आमार पति एवं बेटा घुरे आसबे... (पैसा लेने से मेरे पति और बेटा वापस आ जाएंगे)। परिवार ने आर्थिक सहायता लेने से इनकार कर दिया। आज पांच दिन हो गए... अब तो आंसू भी सुख गए। अब तो मेरी मौत के साथ ही यह गम मेरे जाएगा कहते हुए... फफक पड़ती हैं, करीब 65 वर्षीय हरगोविंद दास की पत्नी और चंदन दास की मां पारूल दास। इसलिए मेरे पति और बेटे की जान गई, क्योंकि हम हिंदु हैं।हमें तो कुछ भी पता नहीं था।

हत्या के मामले में मकसद न होना बरी होने का आधार नहीं', अदालत ने बरकरार रखी हत्यारे की उम्र कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा

कि हत्या के मामले में मकसद न होना बरी होने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि हत्या के मामले में मकसद न होना बरी होने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के अगस्त 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर आया है। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि हत्या के मामले में मकसद न होना बरी होने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। इसी के साथ शीर्ष अदालत ने 2012 में अपने बेटे की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए व्यक्ति की आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी।जस्टिस सुधांशु धूलिया और के विनोद चंद्रन की पीठ ने अपने इकलौते बेटे की हत्या की असंभवता के बारे में व्यक्ति की जोरदार दलील को बचकाना बताते हुए खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता की एक और आकर्षक दलील उसके बेटे की हत्या के लिए उद्देश्य की अनुपस्थिति के बारे में थी। पीठ ने कहा, जिस तरह एक मजबूत उद्देश्य अपने आप में दोषसिद्धि का कारण नहीं बनता, उसी तरह एकमात्र उद्देश्य की अनुपस्थिति के कारण बरी नहीं हुआ जा सकता।यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के अगस्त 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर आया है। इसमें निचली अदालत ने व्यक्ति को दोषी साबित करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। शीर्ष अदालत के निर्णयों का उल्लेख करते हुए, पीठ ने कहा कि यदि मामला केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, तो मकसद की अनुपस्थिति आरोपी के पक्ष में एक कारक होगी। अदालत ने कहा कि मकसद अपराधी के दिमाग के अंदरूनी हिस्सों में छिपा रहता है जिसे अक्सर जांच एजेंसी द्वारा पता नहीं लगाया जा सकता है। अपील को खारिज करते हुए, पीठ ने कहा कि वह अपीलकर्ता की सजा और सजा में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

नए नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने संभाला कार्यभार, महापौर से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम में गुरुवार को नए नगर आयुक्त श्री सीलम साई तेजा ने पदभार ग्रहण कर लिया। श्री तेजा 2018 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। कार्यभार संभालते ही उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से मुलाकात की और निगम की कार्यप्रणाली की प्रारंभिक जानकारी ली।करीब दोपहर 3 बजे श्री तेजा नगर निगम कार्यालय पहुंचे, जहां उनके स्वागत की तैयारी पहले से की गई थी। उन्होंने अपने कार्यालय में बैठकर अपर नगर आयुक्तों और विभाग प्रमुखों से परिचय प्राप्त किया। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि वे अगले सप्ताह एक विस्तृत बैठक आयोजित करेंगे, जिसमें विभागों की कार्यशैली को गहराई से समझा जाएगा और उसके अनुरूप कदम उठाए जाएंगे।

पदभार ग्रहण करने के बाद नगर आयुक्त श्री तेजा ने महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी से मुलाकात की। महापौर के कीडगंज स्थित कैंप कार्यालय में हुई इस भेंट के दौरान दोनों अधिकारियों के बीच शहर के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। महापौर ने उनका पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर नगर आयुक्त ने प्रयागराज की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान को गौरव का विषय बताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ शहर के विकास में जुटेंगे।महापौर ने शहर में चल रही प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक विश्वविद्यालय और साहित्य पार्क प्रमुख हैं। उन्होंने नगर आयुक्त से इन परियोजनाओं को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। नगर आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि प्रयागराज को एक आदर्श शहर बनाने के लिए नगर निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा कार्यभार ग्रहण के दौरान अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, अरविंद सिंह, अम्बरीष कुमार बिंद, सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडेय, मुख्य कर अधिकारी पीके द्विवेदी, मुख्य अभियंता अनिल मौर्या, पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा ,सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने नगर आयुक्त को आश्वस्त किया कि वे मिलकर शहर के विकास कार्यों को गति देंगे।सीलम साईं तेजा हैदराबाद के मूल निवासी हैं और इससे पूर्व वे जौनपुर में मुख्य विकास अधिकारी और महाराजगंज में एसडीएम के रूप में कार्य कर चुके हैं। अपने प्रशासनिक करियर में उन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

भारत सरकार के सहयोग से एक दिवसीय राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कन्याभ्रूण हत्या व लिंगचयन की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा प्रख्यापित गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम-1994 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक दिवसीय राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला दिनांक-17 अप्रैल 2025 (दिन वृहस्पतिवार) को जनपद प्रयागराज के इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन स्टेनली रोड, प्रयागराजङ्ग में सम्पन्न हुई । कार्यशाला में सुश्री मीरा श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव, भारत सरकार द्वारा आधुनिक तकनीकों के दुरूपयोग की रोकथाम पर बल देते हुए कहा गया कि ऐसे मोबाईल एप्लीकेशन बेस्ड पोर्टेबल उपकरणों पर प्रभावी अनुश्रवण हेतु ठोस रणनीति विकसित कर प्रभावी कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता है । डा0 पिंकी जोवेल, सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन/ मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा लिंगानुपात के असन्तुलन के कारण जन्म लेने वाली

सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए व्यक्त किया गया कि भारतीय संस्वृति में नारी सशक्तीकरण व नारीवन्दन के महत्व का उल्लेख करते हुए वर्तमान बदलते परिदृश्य में महिला सशक्तीकरण हेतु इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया गया, उनके द्वारा इस हेतु अर्न्तजनपदीय निरीक्षण सम्पन्न किये जाने की आवश्यकता है साथ ही जनता से सहयोग की अपील की है इस अधिनियम के दुरूपयोग करने वालो पर दण्डात्मक कार्यवाही के लिए भी कहा है । साथ ही अन्य राज्यो की सीमा से लगे प्रदेश के सीमावर्ती जनपदों व उन राज्यों के समुचित प्राधिकारियों व मिशन निदेशक के साथ समन्वय स्थापित कर अर्न्तराज्यीय को-आर्डिनेशन समिति का गठन करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जायेगी । राज्य नोडल अधिकारी डा0 अश्विनी कुमार द्वारा देश/ प्रदेश के लिंगानुपात (जन्म पर) के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में अधिनियम के क्रियान्वयन की प्रगति के विषय में जानकारी दी गयी । प्रयागराज मण्डल के मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वासपन्त द्वारा भी लिंगानुपात के असन्तुलन पर चिन्ता व्यक्त करते हुए अर्न्तजनपदीय निरीक्षण दलों के माध्यम से इकाईयों के निरीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया । कार्यशाला में डा0 पदमिनी कश्यप, उपायुक्त, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 भारत सरकार व डा0 इन्द्रनीलदास, निदेशक, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 भारत सरकार, डा0 सुषमा सिंह, महानिदेशक, परिवार कल्याण/ अध्यक्ष, राज्य समुचित प्राधिकरण, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 अधिनियम, 1994 उ0प्र0 एवं डा0 अश्विनी कुमार, संयुक्त निदेशक, पी0सी0पी0एन0डी0टी0/ राज्य नोडल अधिकारी, उ0प्र0 व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 से डा0 रवि दीक्षित, महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य एवं डा0 सूर्यांशु ओझा, बाल स्वास्थ्य व परिवार नियोजन द्वारा प्रतिभाग किया गया । कार्यशाला में मुम्बई से श्रीमती अनुजा गुलाटी, प्रतिनिधि यू0एन0ए0फ0पी0ए0 द्वारा विचार व्यक्त किये गये । डा0 आशु पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रयागराज मण्डल प्रयागराज के साथ-साथ प्रयागराज जनपद से श्री गौरव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, डा0 ए0के0 तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी व डा0 आर0सी0 पाण्डेय, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ जनपदीय नोडल अधिकारी एवं प्रदेश के विभिन् जनपदों से जिलाधिकारियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त मण्डलों/जनपदों से मण्डलीय/ नोडल अधिकरियों व कर्मचारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया । जनपदों से आई0एम0ए0, फॉग्सी व रेडियोलॉजी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ जनपदीय सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया । कार्यक्रम का संचालन श्री पंकज पाण्डेय, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, जनपद प्रयागराज द्वारा किया गया ।

बंजर की भूमि से हटवाया गया अवैध कब्जा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में जनपद में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तहसील सदर की टीम ने नायब तहसीलदार मंजरी सिंह के नेतृत्व में रायबरेली-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित तहसील सदर के राजस्व गांव देवानंदपुर की गाटा संख्या 438 मिं. रकबा 0.139 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, जो राजस्व अभिलेखों में बंजर दर्ज है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि की कीमत लगभग 8 करोड रुपए है।राजस्व टीम में राजस्व निरीक्षक राजेंद्र सिंह, संतलाल, गौरव शुक्ला टी. एन. सिंह, लेखपाल पुरुषोत्तम भारतीय, उमेश दीक्षित समेत सभी लोग उपस्थिति रहे।

स्कॉर्पियो की टक्कर से मां-बेटी सहित तीन घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज के झूंसी थाना क्षेत्र में अनवर मार्केट के सामने जीटी रोड पर स्कॉर्पियो की तेज रफ्तार टक्कर से मां-बेटी सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शाम करीब 5 बजे हुआ, जब बबीता सिंह (35), उनकी बेटी अन्या (6) और भांजी लवली (18) सड़क पार कर रहे थे। स्कॉर्पियो चालक टक्कर मारकर फरार हो गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बबीता के कंधे और पैर में चोट, जबकि लवली के मुंह और होंठ पर गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि फुट ओवर ब्रिज की कमी के चलते जीटी रोड पर आए दिन हादसे होते हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश जारी है।

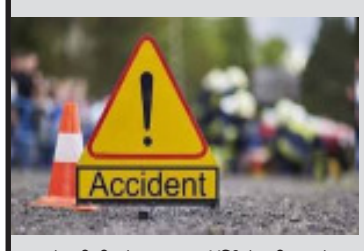

राधा कृष्ण मंदिर छोटी बाजार रायबरेली में बाबा हनुमान सिंह की पुण्यतिथि दिनांक 28 अप्रैल 2025 को संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । श्री देवी संपत मंडल आश्रम, राधा कृष्ण मंदिर छोटी बाजार रायबरेली में बाबा हनुमान सिंह की पुण्यतिथि दिनांक 28 अप्रैल 2025 को संपन्न होगी पुण्यतिथि के पूर्व सात दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में किया गया है यह कथा प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 6:00बजे तक संपन्न की जाएगी राम कथा के मुख्य व्यास श्री राजेंद्र मिश्रा, मानस पीयूष... सीधी मध्य प्रदेश द्वारा उद्बोधित की जाएगी इस संबंध में कार्यकारिणी की बैठक विगत दिवस संस्था के अध्यक्ष स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती की अध्यक्षता में संपन्न की गई जिसमें मुख्य रूप से ओंकार लोहिया, मंटू शुक्ला महेशचौरसिया, ओमकार गुप्ता डीपी शर्मा गंगा प्रसाद रमेश प्रसाद, डॉ राजेश शुक्ला आदि की उपस्थिति विशेष रूप से थी सर्वसम्मत से दिनांक 28 अप्रैल दिन सोमवार को बाबा हनुमान सिंह की पुण्यतिथि पर भंडारे के आयोजन को लेकर चर्चा की गई तथा सभी रायबरेली नगर वासियों से अनुरोध किया गया है कि दिनांक 28 अप्रैल को दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक संपन्न होने वाले भंडारे में तथा 21 अप्रैल से 27 अप्रैल तक संपन्न होने वाली राम कथा में सब परिवार उपस्थित हो और पुण्य के भागी बने त् संस्था के अध्यक्ष स्वामी ज्योतिर्मयानंद ने बताया की महिलाओं एवं पुरुषों के बैठने की अलग-अलग व्यवस्था रहेगी तथा वैशाख के पावन महीने में जो भगवान श्री कृष्ण को समर्पित है राम कथा सुनने का विशेष लाभ है अतः अपने व्यस्ततम जीवन से समय निकालकर राम कथा अवश्य श्रवण करें तथा भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण करें इस संबंध में जो भी भक्तगण अपना किसी भी प्रकार का सहयोग करना चाहते हो आश्रम स्थित कार्यालय में रसीद प्राप्त करते हुए अपनी सेवा कार्यालय में उपलब्ध करा सकते हैं पुजारी पंडित सौरभ शुक्ला ने बताया की इस अवसर पर मंदिर परिसर की भव्य सजावट कराई जाएगी तथा भंडारे में बैठत् कर के खिलौने की व्यवस्था की गई है।

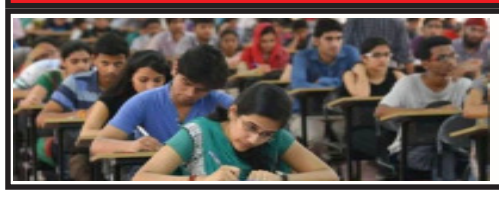

प्रदेश आस/पास

भारत

जनपद की ग्राम पंचायतों में संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के अन्तर्गत चलाया जा रहा वृहद स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने बताया है कि शासन व जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त 980 ग्राम पंचायतों में 01 अप्रैल, 2025 से 30 अप्रैल, 2025 तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें रोस्टर लगाकर सफाई कर्मचारियों के माध्यम से झाड़ी कटाई, नाली सफाई, एन्टीलार्वा एवं दवा का छिड़काव फॉगिंग आदि का कार्य कराया जा रहा है, जिसमें राज्य स्तर पर जनपद की प्रगति प्रतिशत सराहनीय है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि 16 अप्रैल 2025 को जिला सलाहकार प्रेरित कटियार द्वारा विकास खण्ड-अमावां की ग्राम पंचायत मंचितपुर, अमावां, आदमपुर, बीबीपुर तालुके हसना तथा विकास खण्ड-सतांव की ग्राम पंचायत जैतीपुर एवं अटौरा खुर्द का स्थलीय निरीक्षण किया गया, जिसमें रोस्टर के अनुसार लगाये गये सफाई कर्मियों में से विकास खण्ड अमावां की ग्राम पंचायत मंचितपुर में देशराज, ग्राम पंचायत आदमपुर में सुनीता तथा विकास खण्ड सतांव की ग्राम पंचायत जैतीपुर में राजवती एवं ग्राम पंचायत अटौराखुर्द में लक्ष्मीदेवी बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पायी गयी। जिस पर सम्बन्धित सफाई कर्मचारियों के उक्त तिथि का वेतन बाधित करते हुए बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये जाने के सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस निर्गत करते हुए स्पष्टीकरण चाहा गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने यह भी बताया कि साफ-सफाई हेतु रोस्टर के अनुसार लगाये गये कर्मचारियों के क्रास वेरीफिकेशन हेतु अन्य विकास खण्डों के सहायक विकास अधिकारी (पं0) को नामित किया गया है, जिनके द्वारा प्रतिदिन स्थलीय निरीक्षण करते हुए कराये गये कार्यों एवं नामित कर्मचारियों की उपस्थिति का अनुश्रवण किया जाता है। जिसके परिणाम स्वरूप कर्मचारियों द्वारा उपस्थित रहकर टीम भावना के साथ ग्राम पंचायत में झाड़ी कटाई, नाली सफाई, एन्टीलार्वा एवं दवा का छिड़काव फॉगिंग आदि का कार्य किया जा रहा है।

हज यात्रियों का टीकाकरण 19 अप्रैल को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा ने हज 2025 पर जाने वाले जनपद रायबरेली के चयनित 70 हज यात्रियों से कहा है कि चयनित हज यात्रियों का टीकाकरण कार्यक्रम 19 अप्रैल 2025 को स्थान मदरसा जामिया उम्मुल मोमिनीन आयशा अल इस्लामियां लिल बनात बड़ा कुंआ रायबरेली में पूर्वान्ह 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक नोडल अधिकारी जिला संक्रामक कक्ष कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व अन्य कार्मिकों द्वारा किया जायेगा तथा जिला हज ट्रेनर द्वारा हज के अरकान सम्बन्धी प्रशिक्षण/ जानकारी दी जायेगी। उन्होंने हज 2025 पर जाने वाले चयनित हज यात्रियों से कहा है कि उक्त स्थान पर ससमय उपस्थित होकर टीका लगवाने/ प्रशिक्षण प्राप्त करें।

डीएम ने लालगंज के निर्माणाधीन उपरिगामी सेतु का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा जनपद के निर्माणाधीन हैं जिन्हें त्वरित गति से पूर्ण किया जा रहा है, मई के अंत तक कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी

लालगंज उपरगामी सेतु के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण वेक समय एन0एच0ए0आई0 के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया है कि सेतु के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, कुछ कार्य अवशेष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे आगामी जून माह में सेतु सुगम यातायात हेतु जनमानस के लिए खोल दिया जाए और जनसामान्य का यातायात सुगम हो सके।

डीएम ने प्रा0 विद्यालय मधुकरपुर का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर ने विकासखंड डलमऊ के प्राथमिक विद्यालय मधुकरपुर का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण वेक दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनुपस्थित पाये जाने पर उन्होंने बीएसए को एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिये तथा दिव्यांग शौचालय में गन्दगी मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की, इसके पश्चात एमडीएम में बने भोजन को जिलाधिकारी द्वारा चखकर गुणवत्ता देखी गई, गुणवत्ता अच्छी पायी गयी। जिलाधिकारी ने विद्यालय में कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों से हिंदी व गणित के प्रश्न पूछे और किताबों को बच्चों से पढ़वाया गया। बच्चों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया।जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय के शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि समय से विद्यालय में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुवे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

अखिलेश यादव ने बताया- क्यों बदल दिया अपना गमछा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जगन्नाथ पुरी से लाए गमछे को पहनने का कारण

बताते हुए तंज कसा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभी तक वहां नहीं गए हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर वे भाजपा में होते, तो कहते कि योगी हिंदू नहीं या खराब हिंदू हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं कह सकते। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, 'मैं इसलिए इस गमछे को पहनकर आया, क्योंकि मैं जगन्नाथ पुरी गया था। मुझे जानकारी मिली कि वहां अभी तक योगी जी गए ही नहीं हैं। मैं गमछा इसलिए पहना हूं, ताकि मैं उन्हें (सीएम योगी) ये बात याद दिला सकूं। वो गए नहीं तो इसका मतलब मैं ये कहूं कि वो हिंदू नहीं हैं, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता। अगर मैं भाजपा का होता तो कहता कि वो हिंदू ही नहीं हैं, वे खराब हिंदू हैं।' अखिलेश यादव ने कहा, 'जो सच्चा हिंदू है वह स्वामी विवेकानंद जी को मानता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि यूनिवर्सल एक्सेप्टेंस और टॉलरेंस हमें ज्यादा धर्म सिखाता है। उन्होंने शिकागो में भाषण दिया कि हम उसे देश आते हैं, जो देश और जिस देश का धर्म हमें सब को स्वीकार करना सिखाता है।

पूर्व थल सेना प्रमुख बोले- स्वदेशीकरण से सशक्तिकरण पर काम कर रही सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। 2025 के दूसरे दिन राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पूर्व थल सेना प्रमुख मनोज पांडेय ने भारतीय सेना की चुनौतियों और भविष्य के खतरों पर बात की।राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अमर उजाला की ओर से आयोजित संवाद 2025 के दूसरे दिन पूर्व थल सेना प्रमुख मनोज पांडेय ने भारतीय सेना की चुनौतियों और भविष्य के खतरों पर बात की। उन्होंने कहा कि यूपी में स्थापित हुआ डिफेंस कॉरिडोर हमारी सेना की भविष्य की जरूरतों को पूरा करेगा। हम स्वदेशीकरण से सशक्तिकरण पर काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि आज के युवा अपने क्षेत्र में लीडरशिप की भूमिका के लिए तैयार करें। इसके लिए फोर सी (कैरेक्टर (चरित्र), कंपीटेंश (सक्षमता), कमिटमेंट (प्रतिबद्धता) और कंडक्ट (आचरण)) को विकसित करने पर खास ध्यान दें और अपने सपनों को पूरा करने पर ध्यान दें।जनरल मनोज पांडे ने कहा कि 'साल 2047 तक हमने विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है तो सुरक्षा को मजबूत करना जरूरी है ताकि विकास की यात्रा प्रभावित न हो। पिछले कुछ दशकों में युद्ध के चरित्र और प्रकृति में बड़ा बदलाव आया है। तकनीक के आने से युद्ध का स्वरूप बदला है। पारंपरिक युद्ध को हाइब्रिड युद्ध से बदला जा रहा है।

सिद्धदोष बंदियों के विधिक अधिकारों का ना हो हनन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । 30प्र0 राज्य विधिक

सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर जिला जज/सचिव द्वारा कारागार में निरूद्ध सिद्धदोष बंदियों के प्रकरण के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। सचिव द्वारा चिह्नित सिद्धदोष बंदी की अपील माननीय सर्वोच्च न्यायालय में योजित करने व्यक्तिगत बन्दी से मुलाकात की गयी।अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य द्वारा जिला कारागार में महिला बैरकों, पाकशाला का निरीक्षण कर निरंतर स्वच्छता बनायें रखने पर जोर दिया गया। सचिव द्वारा कारागार पराविधिक स्वंय सेवक को विचाराधीन व सिद्धदोष बंदियों के अधिकारों के पैरवी करने हेतु सम्बन्धित से समन्वय स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण उपरांत बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर जागरुकता शिविर का भी आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राजकुमार सिंह, जेल चिकित्सक डा0 सुनील अग्रवाल, उपकारापाल सुमैया परवीन, कंचनलता, धर्मपाल सिंह, अंकित गौतम उपस्थित रहे।

फर्जी वजन कराया खिलाड़ी पर 2 साल का प्रतिबंध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। कुश्ती खिलाड़ी नीरज ने अंडर-17 यूथ गेम्स खेलो इंडिया की कुश्ती स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए अपनी जगह दूसरे खिलाड़ी को भेजा था। वजन लेने वाले

अधिकारियों को संदेह हुआ तो उन्होंने कार्रवाई कर दी। यूपी कुश्ती संघ ने वाराणसी के कुश्ती खिलाड़ी नीरज पाल पर दो साल का प्रतिबंध लगाया है। आरोप है कि नीरज ने बिहार में प्रस्तावित अंडर-17 यूथ गेम्स खेलो इंडिया की कुश्ती स्पर्धा में प्रतिभाग करने के लिए अपनी जगह पर दूसरे खिलाड़ी को वजन कराने के लिए गोंडा के नंदनी नगर भेजा था।यूपी कुश्ती संघ के प्रदेश सचिव सुरेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि कुश्ती की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से कराने के लिए सर्विलांस कैमरों की मदद ली जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स अंडर-17 के लिए वजन कराया जा रहा था। वजन वेक दौरान लड़वेक वेक सर्टिफिकेट के वजन और वजन देने आए खिलाड़ी के वजन पर संदेह हुआ। इसके बाद कैमरे से इसकी पड़ताल शुरू हुई तो पता चला कि दस्तावेज में दर्ज नाम वाला लड़का वजन देने नहीं आया है, उसकी जगह दूसरे लड़के ने वजन कराया है। इतनी देरी में संदिग्ध खिलाड़ी वजन कराकर वहां से निकल गया। कुश्ती जीतने के लिए उस लड़के ने अपने से कम वजन के लड़के को भेजा था।

भदोही में खाक हुआ कॉटन मिल आग से 8 करोड़ का नुकसान, 5 जिलों की अग्निशमन ने बुझाने में की मशक्कत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। कार्पेट सिटी में एक कातल मिल में आग लगने की सूचना

मिलते ही मौके पर अग्निशमन दस्ता पहुंच गया। पांच जिलों के लोग आग बुझाने के लिए पहुंचे थे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से 8 करोड़ का नुकसान हुआ है। भदोही कोतवाली के कार्पेट सिटी स्थित एक कातन मिल में रात दो बजे भीषण आग लग गई। आग लगने से आठ करोड़ का नुकसान हो गया। आग पर काबू पाने के लिए पांच जिलों की अग्निशमन वाहनों को बुलाया गया था। चार से पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक पूरा मिल जलकर खाक हो गया था।भदोही निवासी अनिल जायसवाल की कार्पेट सिटी में एक्सपो मार्ट के ठीक सामने कातन मिल है। हर दिन की तरह वे शाम को कामकाज निपटाकर घर चले गए। रात में कर्मचारी वहां करते हैं। रात करीब डेढ़ से दो बजे मिल की मशीन में शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आग पकड़ लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग ने विकराल रूप से धारण कर लिया। काटन मिल के मालिक अनिल के अनुसार रात दो बजे उन्हें कंपनी के गार्ड ने फोनकर इसकी जानकारी। वे कंपनी से चार किमी दूर आवास पर रहते हैं। इस बीच कंपनी में लगी फायर हाईड्रेट से आग पर काबू पाने का प्रयास किया जाना लगा और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। कर्मचारी आग बुझाने में लगे थे। इस बीच लाइट कट गई और बचाव कार्य बाधित हो गया। हालांकि थोड़ी देर में फिर से लाइट आने पर आग बुझाया जाने लगा, तब तक पानी खत्म हो गया। हालांकि आसपास से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। इस बीच जिले की अग्निशमन की तीन गाड़ियां पहुंच गई। कंपनी में बड़ी मात्रा में कातन होने के कारण आग तेजी से विकराल होता जा रहा था। इस बीच मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी और जौनपुर से अग्निशमन को बुलाया गया। पांच जिलों की आठ गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रही, लेकिन आग इतना विकराल था कि उसे पूरी तरह से काबू पाने में करीब चार से पांच घंटे लग गए। तब तक कंपनी में करीब साढ़े पांच करोड़ का तैयार माल, दो करोड़ की मशीन और मकान पूरी तरह से जलकर गए। पीड़ित ने बताया कि शार्ट सर्किट से आग लगी है। उनका करीब आठ करोड़ का नुकसान हुआ है।

मऊ में तड़तड़ाईं गोलियां फसल काटने को लेकर चाचा-भतीजा में हुआ था विवाद, तीन लोग घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। चाचा और भतीजे के बीच पहले मारपीट हुई थी। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष बंदूक लेकर आमने-सामने हो गए। फायरिंग की आवाज सुन आसपास के लोग इकट्ठा हुए और सभी को शांत कराया। इस मामले में एक को गोली लगी है। तीन अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। मऊ के कोपागंज थाना क्षेत्र के सोडसर गांव में शुक्रवार की भोर में गेहूं काटने के विवाद को लेकर चाचा-भतीजे के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पहले लाठी-

डंडे से हमला किया। उसके बाद एक दूसरे पर फायरिंग कर दी।इस फायरिंग में अभिषेक यादव के बाएं कंधे पर गोली लगी है, जबकि तीन लोग घायल हैं। इनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। कोपागंज एसओ विजय प्रताप मौर्य ने बताया कि पुलिस दोनों पक्षों के घायलों के उपचार करा रही है।खबर लिखे जाने तक दोनों पक्षों से तहरीर नहीं मिली थी, लेकिन यह विवाद कल की बारिश में गेहूं की फसल खराब होने का कारण बताया जा रहा है। उसमें एक पक्ष का आरोप है कि कहने के बाद भी फसल नहीं काटी गई थी, जिससे बारिश से फसल खराब हो गई।

छात्रा के धरने ने पकड़ा तूल पहुंचे करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष, अफसरों से की बात; बोले- मिलेगा इंसाफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। छात्रा ने बताया कि मुझे पिछले 16 दिनों से विश्वविद्यालय में चक्कर लगवाए जा रहे हैं। डिपार्टमेंट का कहना है कि अगर केंद्रीय कार्यालय के अधिकारियों से हमें नियमों के अनुसार आपका प्रवेश लेने के लिए बोल दिया जाएगा तो मेरा एडमिशन हो जाएगा। इसलिए मैं केंद्रीय कार्यालय पर शांतिपूर्वक धरने पर बैठी हूं। बीएचयू की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में हेरफेर का आरोप लगा कल से धरने पर बैठी छात्रा को विपक्षी छात्र संगठन के साथ ही करणी सेना का भी समर्थन मिल गया है। वहीं कार्यवाहक वीसी खुद छात्रा से मिलने धरना स्थल पहुंचे और उसके साथ सेंट्रल ऑफिस की सीढ़ियों पर बैठे दिख रहे हैं।करणी सेना के लोगों के सेंट्रल ऑफिस पहुंचने से पहले ही भारी संख्या में पुलिस और पीएसी बलों को तैनात कर दिया गया था। नेताओं ने कहा कि छात्रा के एडमिशन के लिए संघर्ष बड़ा होगा। वहीं एनएसयूआई और आइसा के भी सदस्य पहुंचकर छात्रा को भरपूर समर्थन दे रहे हैं।करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ने

लड़की से नंबर लेकर विभागाध्यक्ष से फोन पर बात करके एडमिशन देने की बात कही। वहीं छात्रा का कहना है वह 15 दिन से विभाग के चक्कर काट रही लेकिन सारे डॉक्यूमेंट जमा होने के बावजूद प्रवेश नहीं मिला। पीएचडी प्रवेश न मिलने से नाराज हिंदी विभाग की छात्रा गुरुवार को सेंट्रल ऑफिस पर धरना देने पहुंची। छात्रा अर्चिता सिंह ने आरोप लगाया कि विभाग में प्रोफेसर अपने प्रिय छात्र के प्रवेश के चक्कर में हैं, ऐसे में एडमिशन फीस जमा करने का लिंक उसे नहीं भेजा गया। जबकि काउंसिलिंग और दस्तावेज बाकी प्रक्रिया पूरी थी। ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट नहीं था तो पहले पुराना लगाया, बाद में विभाग के कहने पर अंडरटेकिंग फॉर्म भी जमा कर दी।अर्चिता ने कहा कि वह हिंदी विभाग से ही यूजी और पीजी की है। इस बार पीएचडी प्रवेश के लिए सामान्य कटेगरी में 15वीं रैंकिंग है। इस दौरान पता चला कि विभाग पेमेंट लिंक भेजने की तैयारी में है, लेकिन बाद में प्रवेश कराने के लिए एडमिशन प्रक्रिया रोकी गई। मेरे पास आने वाले पेमेंट लिंक को रोका गया और विभाग द्वारा एक कमेटी बना दी गई।छात्रा का आरोप है कि बाद में कमेटी ने इस मामले को दूसरे छात्र का प्रवेश कराने के उद्देश्य से यूएसएबी को भेज दिया गया। वहां की चेयरमैन ने मेरी समस्याओं के निराकरण से मना कर दिया। वहीं अधिकारियों की ओर से कहा गया कि ईडब्ल्यूएस का नया सर्टिफिकेट जमा कर दो। छात्रा का कहना है कि विभाग में कई अभ्यर्थियों ने अंडर टेकिंग फॉर्म ही जमा करके प्रवेश पा लिया है। ऐसे में मेरे ही प्रवेश से क्या दिक्कत है।

बीएचयू अस्पताल को हाईकोर्ट की फटकार टेंडर में गड़बड़ी का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदरलाल

अस्पताल के एक टेंडर मामले में दर्ज मुकदमे को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने मुकदमे को रद्द करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग संबंधी याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी व न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने मनोज कुमार शाह की याचिका पर दिया। वाराणसी के लंका थाने में 19 मार्च 2025 को बीएचयू अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. कैलाश कुमार, डॉ. एएनडी द्विवेदी, रश्मि रंजन, पल्स डायग्नोस्टिक के एमडी मनोज कुमार शाह, निदेशक सुनैना बिहानी पर धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता डॉ. उदयभान सिंह ने आरोप लगाया था कि बीएचयू अस्पताल में पीपीपी मोड पर डायग्नोस्टिक इमेजिंग सेवाओं के संचालन व अन्य कार्य के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की गई है। पल्स डायग्नोस्टिक के एमडी मनोज कुमार शाह और निदेशक सुनैना बिहानी ने फर्जी जीएसटी नंबर का इस्तेमाल किया था। इसके बावजूद मूल्यांकन समिति ने उनके टेंडर को अप्रूव किया। मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष प्रो. कैलाश कुमार व डॉ. एएनडी द्विवेदी तथा रश्मि रंजन कमेटी की सदस्य थीं। एसीजेएम कोर्ट के आदेश से सभी आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। मनोज कुमार शाह ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में गलत तथ्यों के साथ दो बार याचिका दाखिल करने पर याची पर 25 हजार रुपये हर्जाना लगाया। साथ ही याचिका खारिज कर दी।जौनपुर के जिलाधिकारी को चार हफ्ते में हर्जाना राशि वसूल कर हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति में जमा करने का निर्देश दिया। जौन निवासी याची रवीन्द्र कुमार सिंह की याचिका पर न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकलपीठ ने सुनवाई की। याचिका में ग्राम सभा की जमीन का घोटाला करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने, पांच सदस्यीय जांच कमेटी को बहाल कर रिपोर्ट मंगाने एवं विपक्षियों को अनुचित तौर पर आवंटित राशि की वसूली करने की मांग की गई थी। विपक्षी अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि इससे पहले भी याचिका दायर की गई थी। उन्हीं तथ्यों के आधार पर दोबारा याचिका दायर की गई है।

बहन पर दोस्त की नीयत खराब सिगरेट पिलाने के बहाने बुलाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। युवक की हत्या का मामला सामने आते ही मौके पर बरकोनिया थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से पूछताछ

के बाद युवक की लाश को कब्जे में ले लिया गया। वहीं, मृतक के पिता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। सोनभद्र के रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव में गुरुवार की रात दोस्त ने चाकू घोंपकर युवक की हत्या कर दी। सिगरेट पीने के बहाने उसे घर से बुलाकर वारदात को अंजाम दिया गया। हत्यारोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।पूछताछ में उसने चचेरी बहन पर बुरी नीयत के कारण युवक के हत्या की बात बताई है। शव कब्जे में लेकर पुलिस छानबीन में जुट गई है। डुमरिया गांव निवासी करमचंद उर्फ छोटू बिंद (19) बीती रात अपने घर पर था। इसी बीच, उसे गांव के ही विजय उर्फ अर्जुन चौहान ने फोन कर घर के पास स्थित पथरहिया चुआड़ बंधी के पास मिलने के लिए बुलाया। करमचंद वहां पहुंचा तो कुछ देर बातचीत के बाद विजय ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।पेट, सिर और कमर पर कई वार किए। मौके पर ही करमचंद की मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद विजय वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। रामपुर बरकोनिया एसओ कमल नयन दुबे, सीओ सदर रणधीर मिश्र और एएसपी टीएन त्रिपाठी ने रात में ही घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की। शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।करमचंद के पिता रमेश बिंद की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी विजय चौहान उर्फ अर्जुन को उसके घर से हत्या में प्रयुक्त चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। एएसपी टीएन त्रिपाठी ने बताया कि विजय को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उसने बताया कि करमचंद उसकी चचेरी बहन पर बुरी नीयत रखता था। बहन ने उसे इसकी जानकारी दी थी। कई बार समझाने के बाद भी नहीं माना तो उसकी हत्या कर दी। करमचंद दो भाइयों में छोटा था। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है।

रायबरेली, सोनभद्र

थर्मल टाइटन्स ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अनपरा सोनभद्र। हिंडालको रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर एवं फोनिक्स क्लब रेनुसागर के संयुक्त तत्वाधान में आदित्य बिड़ला इंटर मीडिएट कालेज के ग्राउण्ड में गुरुवार की देर शाम सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप की कड़े मुकाबले में थर्मल टाइटन्स की टीम ने कप्तान नीरज तिवारी के नेतृत्व में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुये 10 रन से एडमिन चैंपियन को पराजित कर विजयी हुआ।गौरतलब है कि रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता चल रहा है जिसमें कुल 24 टीमों ने प्रतिभाग किया है।बताते चले कि सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप क्रिकेट मैच का मुकावला थर्मल टाइटन्स

और एडमिन चैंपियन के बीच में था।थर्मल टाइटन्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया । इस अवसर पर रेनुसागर के वरिष्ठ अधिकारी संजय श्रीमाली एवं कुमार हर्षवर्धन ने खिलाड़ियों से परिचय लेते हुये टॉस कराकर का मैच का शुभारंभ किया।थर्मल टाइटन्स की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुये मेराज के शानदार 7 चौके की मदद से 35 रन , दीपक लाल ने 4 चौके की मदद से 26 रनो के वदौलत अपनी टीम का स्कोर 6 विकेट खोकर 101 रन का लक्ष्य दिया।एडमिन चैंपियन की टीम अभिषेक ने 2 विकेट एवं विपीन ने अपने टीम के लिए महत्वपूर्ण एक विकेट चटकाये।रोमांचक मैच के जबाब में खेलने उतरी एडमिन चैम्पियन टीम के कप्तान प्रणव सोनी के नेतृत्व में काँटे की टक्कर देते हुये एडमिन चैम्पियन टीम के सलामी बल्लेबाज अभिशेक के शानदार बैटिंग के आगाज से 4 चौके की मदद से 27 रन अपने टीम के लिये जोड़े एवं राजीव मिश्रा के 18 रन एवं विपिन के 16 रन के वदौलत टीम ने 10 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन ही बना पाई ।हालांकि 8 ओवर तक दोनों टीमों का स्कोर लेबल चल रहा था ।वही अनुज ने अपने टीम के लिये महत्वपूर्ण 2 विकेट चटकाये।इस तरह थर्मल टाइटन्स की टीम मात्र 10 रन से विजयी रहीं।मैच में अंपायर दीपांश एवं रूपम रहे ।आँखों देखा हाल रोहित सक्सेना एवं सदानन्द पांडेय ने सुनाया।इस अवसर हिंडाल्को रेनुसागर के वरिष्ठ अधिकारी नवींद्र पाठक ,मृदुल भारद्वाज,मनोरंजन सिंह ,कविता श्रीमाली, फोनिक्स क्लब रेनुसागर के सचिव सुधाकर अन्नामलाई,स्कोरर इमरान खान ,निशांत सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

कानूनी टिप्स देकर महिला सिपाही कर रही जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शासन द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा व महिला

जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति (फेज-05) अभियान के तहत अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियों स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन-शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों मे गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा स्कूलों/कॉलेजों, मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया तथा उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे-वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

किसानों से समय से की जाए गेहूं खरीदः एडीएम प्रशासन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत जनपद में किसानों से की जा रही गेहूँ खरीद की अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) / जिला

खरीद अधिकारी सिद्धार्थ द्वारा समीक्षा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/ जिला खरीद अधिकारी द्वारा किसानों से गेहूँ खरीद बढ़ाये जाने के दृष्टिगत दिशा निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारित, कार्य योजना के अनुसार प्रत्येक दिवस सभी क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद सुनिश्चित करायें। निर्धारित क्रय लक्ष्य व साप्ताहिक लक्ष्य की प्राप्ति सभी केन्द्र प्रभारी प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करेंगे। जनपद के किसी भी क्रय केन्द्र पर दैनिक खरीद शून्य नहीं होनी चाहिए। यह सभी अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग के ए0डी0ओ0/ए0डी0सी0ओ0 प्रतिदिन पी0सी0एफ0 पी0सी0 एवं यू0पी0एस0एस0 के गेहूँ क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सभी केन्द्रों पर दैनिक खरीद हो रही है। यदि खरीद नहीं हो रही है, तो उस स्थिति में विभागीय उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति से तुरन्त अवगत करायेंगे। सहकारिता विभाग के ए0डी0ओ0 ए0डी0सी0ओ0 अपने क्षेत्र के अन्तर्गत ग्रामों में जाकर ग्राम प्रधानो से सम्पर्क / समन्वय स्थापित करते हुए गेहूँ खरीद योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करवाते हुए अधिक से अधिक किसानों को राजकीय केन्द्रों पर गेहूँ विक्रय हेतु प्रेरित करेंगे। सभी मण्डी सचिव एवं मण्डी निरीक्षक मण्डी के सचल दल के प्रर्वतनीय कार्य सघन कराकर मण्डी परिक्षेत्र/परिसर में कार्यरत विभिन्न आढ़तियों, फ्लोर मिलों, बड़े रजिस्टर्ड गेहूँ व्यापारियों के अवैध गेहूँ-कय, भण्डारण एवं संचरण कार्य व इससे सम्बन्धित अभिलेखों का निरीक्षण कराकर नियमानुसार मण्डी शुल्क अधिरोपण की कार्यवाही की जाए। कृत कार्यवाही की सूचना प्रतिदिन उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेंगे। सभी एजेंसियों के जिला स्तरीय अधिकारी क्रय नीति में दिये गये निर्देशानुसार प्रतिदिन निर्धारित संख्या में क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे और उसकी रिपोर्ट मय फोटोग्राफ्स सहित उपलब्ध करायेंगे। अपर जिला अधिकारी प्रशासन ने कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता पर योजना किसानों से गेहूँ खरीद में लापरवाही / शिथिलता बरतने वाले केन्द्र प्रभारी का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी सुनिश्चित करायें। सभी एजेंसियां उक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुये किसानों से अधिक से अधिक गेहूँ खरीद करते हुये निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करेगी। समीक्षा बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला प्रबन्धक, पी0सी0एफ0 पी0सी0यू0 व यू0पी0एस0एस0, सचिव, कृषि उत्पादन मण्डी समिति, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व सहकारिता विभाग के ए0डी0ओ0 ए0डी0सी0ओ0 रायबरेली द्वारा प्रतिभाग किया गया।

नवनिर्मित इंटरलाकिंग का ब्लॉक प्रमुख ने किया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेठीगांव में नवनिर्मित इंटरलाकिंग का शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने लोकार्पण

किया। ग्राम पंचायत में मेन रोड से तपेश्वर तिवारी के घर तक करीब चार लाख रुपये की लागत से 60 मीटर लम्बा इंटरलाकिंग सड़क का निर्माण कराया गया है। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा की इंटरलाकिंग का निर्माण होने से लोगों को आवगमन में करने में सहूलियत होगी। यह सड़क ग्राम पंचायत में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे स्थानीय लोगों को लाभ होगा। ब्लॉक प्रमुख ने ग्राम प्रधान और अन्य अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन में सुधार लाना है और इस इंटरलाकिंग सड़क का निर्माण भी उसी दिशा में एक कदम है। ब्लॉक प्रमुख ने सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की सराहना की और कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति तेज होगी। लोकार्पण के अवसर पर ग्राम प्रधान नीलम तिवारी ने कहा कि ग्राम पंचायत में विकास कार्य कराने के लिए वह निरंतर प्रयास कर रही हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनूप तिवारी, हरिप्रसाद चौबे, अनिल, अभिषेक, विकास, चिंतामणि तिवारी, नागेश्वर आदि उपस्थित रहे।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा डॉ भीमराव रामजी आंबेडकर सम्मान अभियान गोष्ठी गोष्ठी 21 अप्रैल को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत ने बताया कि संगठन

द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आगामी 21 अप्रैल को भाजपा जिला कार्यालय पर अनूसचित जाति द्वारा डॉक्टर भीमराव रामजी आंबेडकर सम्मान अभियान गोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसकी तैयारी जिलाध्यक्ष नंदलाल के नेतृत्व में पूरी हो चुकी है। विचार गोष्ठी कार्यक्रम में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी लोगो को इस कार्यक्रम में सहभागिता करनी है और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों को आज कौन से राजनैतिक दल की सरकार आगे बढ़ा रही है। इस पर विस्तृत चर्चा इन समाज के बीच में करना है भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी जी की सरकार ने बाबा साहब के विचारों की प्रेरणा से लगातार काम कर रही है, जिसमें शोषित वंचित दलित समाज के लोगो का उत्थान हो रहा है। केन्द्र व राज्य सरकार की बहुत सारी योजनाएं जो इन समाज के लोगो को ध्यान मे रखकर बनायी गयी है। और आज उसका लाभ इन सभी लोगो को मिल रहा है। बाबा साहब ने धारा 370 का उस समय पुरजोर विरोध किया था और उन्होने यह भी कहा था कि जब देश मे भ्रष्टाचार चरम पर हो जाये तो देश की करंसी को भी समय समय पर बदलते रहना चाहिए। आज उन्ही के विचारों को मोदी जी ने पूर्ण करके दिखाया है। जिसमें बाबा साहब के विचारों का आदान प्रदान किया जायेगा।

एकलव्य आवासीय विद्यालय में आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर। मैहर जिला के एकलव्य आवासीय विद्यालय में आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन,एक राष्ट्र एक चुनावों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल जी के साथ सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी सम्मिलित हुए। माननीय मंत्री जी ने एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय पर तथ्यात्मक एवं व्यावहारिक दृष्टि से अपने विचार साझा किया। इसके उपरांत सभी जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध जनों ने एक स्वर में एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए प्रचंड ध्वनि से अपना समर्थन व्यक्त किया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव भव्य शोभा यात्रा को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा की गई प्रेस वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर सेक्टर 12 में श्री हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा को लेकर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया बजरंग दल संयोजक सुमित जी द्वारा यात्रा की रूपरेखा को विस्तार से बताया गया एकत्रीकरण के रूप में महानगर से सभी 15 प्रखंडों से कार्यकर्ता सेक्टर 63 सुबह 10:30 बजे पहुंचेंगे एकत्रीकरण के पश्चात प्रांत एवं महानगर से उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का परिचय , इसके उपरांत प्रांत मंत्री श्री राजकुमार डूंगर जी द्वारा शोभा यात्रा के बारे में जानकारी एवं उद्बोधन रहेगा । महानगर संयोजक बजरंग दल सुमित द्वारा बताया गया समस्त हिंदू समाज से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में पहुंचने का आवाहन किया गया। शोभा यात्रा बहलोलपुर चौकी से चोटपुर पुस्ता होते हुए बहलोलपुर गढ़ी चौखंडी गोल चक्कर, ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 67, गढ़ी चौखंडी पुलिस चौकी पर्थला चौकी होते हुए सेक्टर 122 , यदु पब्लिक स्कूल से होते हुए सर्फाबाद, होशियारपुर होते हुए बिलाबोंग स्कूल के बराबर में हनुमान मंदिर पर पहुंचेगी ।सभी हिंदू समाज के भक्तों एवं कार्यकर्ताओं को प्रसाद की व्यवस्था भी संगठन द्वारा रहेगी ।आज की इस प्रेस वार्ता में महानगर अध्यक्ष एवं प्रांत उपाध्यक्ष छाया सिंह , विभाग मंत्री ललित , जिला मंत्री दिनेश महावर उपाध्यक्ष महानगर सत्यवीर, महानगर उपाध्यक्षा अनुराधा महानगर सह मंत्री राजीव, प्रवेश, महानगर धर्म प्रसार जितेंद्र , विधि प्रकोष्ठ प्रमुख विपुल जौहरी, नितेश राहुल दुबे मौजूद रहे।

अधिवक्ता पर जान लेवा पिटाई के आरोपी पुलिस कर्मी निलंबित करें मुख्यमंत्री--राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। दो दिन पूर्व प्रयागराज जनपद के औद्योगिक क्षेत्र नैनी में अधिवक्ता आदर्शन मिश्र को चौकी इंचार्ज संजीव कुमार द्वारा बुरी तरह

पीटने की घटना की जानकारी होते ही जनपद प्रयागराज सहित प्रदेश के अधिवक्ता संघों एवम अधिवक्ताओं में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है।पुलिस द्वारा बेवजह अधिवक्ता आदर्शन मिश्र की जान लेवा पिटाई की घटना की जानकारी होते ही संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवम प्रदेश के उच्च पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर तत्काल दोषी पुलिस अधिकारी पर कठोर से कठोर कारवाई करने हुए निलंबन की मांग की है।सँयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र लिखकर थाने में अधिवक्ता आदर्शन मिश्र की जानलेवा पिटाई करने वाले आरोपी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कारवाई की माँग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि प्रदेश में आए दिन अधिवक्ताओ पर हो रहे प्राणघातक हमले से अधिवक्ताओ में भय ब्याप्त हो गया है और अधिवक्ताओं पर आए दिन होने वाले हमले इस बात का प्रमाण है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ना तो प्रदेश सरकार और ना ही उत्तर प्रदेश की पुलिस के पास कोई कार्य योजना है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने माननीय मुख्यमंत्री जी से माँग किया है कि इस घटना की उच्चस्तरीय जाँच करवाकर घटना में संलिप्त पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कारवाई करें अन्यथा प्रदेश के अधिवक्ताओ को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। साथ ही गंभीर रुप से घायल अधिवक्ता संजीव कुमार के इलाज हेतु आर्थिक सहयोग धनराशि को भी तुरंत देने की मांग की है। इसके अलावा श्री मिश्र ने एक बार पुनः माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश में जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की पुरजोर माँग करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू होने से आए दिन प्रदेश के अधिवक्ताओ पर हो रहे जानलेवा हमलों में बहुत कमी आएगी और प्रदेश के अधिवक्ताओ की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा का विचार गोष्ठी 21 अप्रैल को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत ने बताया कि संगठन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आगामी 21 अप्रैल को भाजपा जिला कार्यालय पर अनूसचित जाति/जनजाति विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसकी तैयारी जिलाध्यक्ष नंदलाल के नेतृत्व में पूरी हो चुकी है। विचार गोष्ठी कार्यक्रम में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी लोगो को इस कार्यक्रम में सहभागिता करनी है और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों को आज कौन से राजनैतिक दल की सरकार आगे बढ़ा रही है। इस पर विस्तृत चर्चा इन समाज के बीच में करना है भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी जी की सरकार ने बाबा साहब के विचारों की प्रेरणा से लगातार काम कर रही है, जिसमें शोषित वंचित दलित समाज के लोगो का उत्थान हो रहा है। केन्द्र व राज्य सरकार की बहुत सारी योजनाएं जो इन समाज के लोगो को ध्यान मे रखकर बनायी गयी है। और आज उसका लाभ इन सभी लोगो को मिल रहा है। बाबा साहब ने धारा 370 का उस समय पुरजोर विरोध किया था और उन्होने यह भी कहा था कि जब देश मे भ्रष्टाचार चरम पर हो जाये तो देश की करंसी को भी समय समय पर बदलते रहना चाहिए। आज उन्ही के विचारों को मोदी ने पूर्ण करके दिखाया है। जिसमें बाबा साहब के विचारों का आदान प्रदान किया जायेगा।

भाजपा युवा मोर्चा ने सोनिया राहु का फुका पुतला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा

सोनभद्र के जिला उपाध्यक्ष विक्रम हिरेश द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को राहुल गांधी व सोनिया गांधी का पुतला फूका। इनके द्वारा नेशनल हेराल्ड में किये गये घोटाले के विरोध में प्रदर्शन किया। आज स्वर्ण जयंती चौक तक पैदल मार्च किया और और स्वर्ण जयंती चौक पर पुतला दहन किया महामंत्री रजनी ने कहा कि ईडी ने यंग इंडिया मनी लांड्रिंग केस में 15-4-2025को चार्जशीट दाखिल किया। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी है जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने हमेशा देश को लुटने का काम किया है जब कांग्रेसी नेता पुरे तरह फस गये हैतो बौखला कर देश भर में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में नगर मंडल अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत मुन्ना दुबे जिला मंत्री उत्कर्ष पाण्डेय, अतुल पाण्डेय जिला सोशल मीडिया प्रमुख राहुल श्रीवास्तव, जिला सह मिडिया रोशन सिंह,सौरभ चतुर्वेदी , जिला मंत्री विनोद पटेल , जिला मंत्री शिवम सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जौनपुर में दो युवकों की मौत एक बाइक पर 3 सवारी पड़ी भारी, तीसरे की हालत गंभीर; पिकअप ने मारी थी टक्कर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर घर लौट रहे थे।

हाईवे पर पहुंचते ही तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में तीसरे युवक की हालत गंभीर है।जौनपुर के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धर्मापुर बाजार में बीती देर रात में लगभग साढ़े 11 बजे तेज रफ्तार एक पिकअप ने बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दिया, जिससे बाइक सवार दो युवक की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।जलालपुर थाना क्षेत्र के मसूदपुर गांव निवासी अर्जुन चौहान अपनी बाइक से गांव के ही विनोद चौहान और महेश के साथ बीती रात में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया में रिश्तेदार के यहां आयोजित बर्थडे पार्टी में गया हुआ था। तीनों युवक बर्थडे पार्टी अटेंड कर घर लौट रहे थे।देर रात में साढ़े 11 बजे जैसे ही अर्जुन चौहान की बाइक जौनपुर-केराकत हाईवे स्थित धर्मापुर बाजार में पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार एक पिकअप ने सामने से टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट आने के कारण अर्जुन चौहान (27) पुत्र समर एवं विनोद चौहान (33) पुत्र भरत की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं महेश चौहान (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ही मौके पर काफी भीड़ जुट गई, लोगों ने घटना की सूचना थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर को दी।थाना प्रभारी फूलचंद पांडेय घटनास्थल पर पहुंच गए। थाना प्रभारी ने घायल युवक महेश चैहान को तत्काल इलाज हेतु जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, अर्जुन और विनोद की लाश को कब्जे में ले लिया। परिजनों को सूचना देते हुए लाश को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए भिजवाया। दूसरी तरफ, घटना के बाद ही अज्ञात पिकअप चालक मौके से फरार हो गया थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि पंचहटिया से बर्थडे पार्टी से एक ही बाइक पर तीनों युवक वापस घर लौट रहे थे। अज्ञात पिकअप ने टक्कर मार दिया। अर्जुन और विनोद चौहान की मौके पर मौत हो गई। महेश चौहान का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। परिजनों द्वारा तहरीर दी गई है। अज्ञात पिकअप चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

स्पोर्ट्स

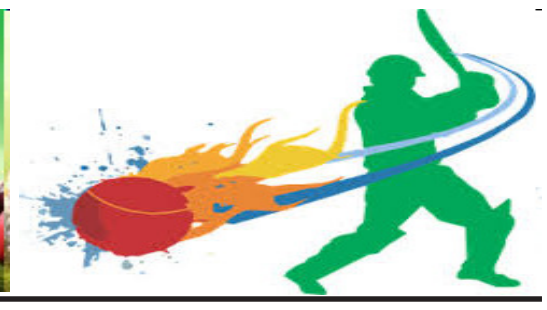

चेज करते हुए मुंबई की वानखेड़े पर 29वीं जीत, अब तक घर के बाहर नहीं जीत सकी है हैदराबाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की वानखेड़े में 29वीं जीत है। वहीं, हैदराबाद किसी और वेन्यू पर अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में मात मिली थी। उसके बाद गत विजेता कोलकाता ने उन्हें ईडेन गार्डंस में हराया था।लक्ष्य का पीछा करते हुए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित शर्मा ने रेयान रिक्लेटन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन रोहित एक बार फिर बड़ी पारी खेले बिना 26 रन बनाकर आउट हो गए। रिक्लेटन बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एक बार जीवनदान मिलने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा सके और 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर सूर्यकुमार यादव भी 26 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पांड्या ने कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।18वें ओवर की शुरुआत में मुंबई को जीत के लिए दो रन चाहिए थे और पहली गेंद पर तिलक ने सिंगल लिया, लेकिन अगली गेंद पर हार्दिक आउट हो गए। हार्दिक ने 21 रन बनाए। नए बल्लेबाज के रूप में उतरे नमन धीर पांचवीं गेंद पर खाता खोले बिना आउट हुए और मुंबई की जीत का इंतजार बढ़ गया। 19वें ओवर की पहली गेंद पर तिलक ने चौका लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। तिलक 17 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट झटके। उनके अलावा ईशान मलिंगा को दो और हर्षल पटेल को एक विकेट मिला। अंतिम ओवर में अनिकेत वर्मा की शानदार बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के सामने 163 रनों का लक्ष्य रखा। हैदराबाद की बल्लेबाजी धीमी रही, लेकिन अनिकेत ने 20वें ओवर में हार्दिक पांड्या के ओवर से 22 रन निकाले। हैदराबाद के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों पर सात चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक और ट्रेविस हेड ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और पावरप्ले तक मुंबई को कोई सफलता हासिल नहीं करने दी और पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। हार्दिक पांड्या ने अभिषेक को आउट कर हैदराबाद को पहला झटका दिया। इसके बाद हैदराबाद की पारी लड़खड़ा गई। ईशान किशन इस मैच में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और दो रन बनाकर आउट हुए। ट्रेविस हेड को एक बार जीवनदान मिला, लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा सके और 29 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश कुमार रेड्डी भी 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। बाद में हेनरिक क्लासेन ने हाथ खोले और टीम का स्कोर 130 के पार पहुंचाया, लेकिन उन्हें बुमराह ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा। क्लासेन ने 28 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रन बनाए। फिर अनिकेत वर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम का स्कोर 160 के पार पहुंचने में सफल रहा। अनिकेत आठ गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 18 रन और कप्तान पैट कमिंस चार गेंदों पर एक छक्के के सहारे आठ रन बनाकर नाबाद लौटे। मुंबई के लिए विल जैक्स ने दो विकेट लिए, जबकि ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को एक-एक सफलता मिली।

'बलि का बकरा बने अभिषेक नायर', सीनियर खिलाड़ी से सपोर्ट स्टाफ की हुई थी बहस सूत्र ने उठाया राज से पर्दा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिषेक को आठ महीने पहले ही असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया था, जब गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला था। हालांकि, अब उन्हें सहायक कोच की उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर को सहयोगी स्टाफ के एक महत्वपूर्ण सदस्य के साथ अनबन की अटकलों के बीच सिर्फ आठ महीने के बाद पद से हटा दिया गया। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के इस फैसले का कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में शिकस्त

को बताया जा रहा है बीसीसीआई से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया कि अभिषेक नायर को सहयोगी स्टाफ से हटाने की जानकारी पहले ही दे दी गई थी। सूत्र ने कहा- भारत की टेस्ट क्रिकेट में हाल की हार (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) के बाद सहयोगी स्टाफ को लेकर मंथन चल रहा था लेकिन बीसीसीआई में यह भी महसूस हो रहा है कि सहयोगी स्टाफ के एक महत्वपूर्ण सदस्य और एक वरिष्ठ स्टार खिलाड़ी के बीच की लड़ाई में नायर बलि का बकरा बन गए।अभिषेक को आठ महीने पहले ही असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया था, जब गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला था। हालांकि, अब उन्हें सहायक कोच की उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। उनके साथ फील्डिंग कोच टी. दिलीप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को भी बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा टीम में खिलाड़ियों का मसाज करने वाले एक स्टाफ को भी बर्खास्त किया गया है।रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि भारत के पहले स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स के दूसरे कार्यकाल के लिए लौटने की संभावना है। विश्व कप 2003 के दौरान तत्कालीन सौरव गांगुली की अगुवाइ वाली भारतीय टीम में एक नई फिटनेस संस्कृति की शुरुआत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के इस कोच को बहुत श्रेय दिया जाता है। पीटीआई ने इस संबंद में जब सचिव देवजीत सैकिया से इस पर सवाल किया तो उन्होंने न तो इसकी पुष्टि की और न ही इनकार किया। उन्होंने कहा- कुछ चीजों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आपको कुछ दिनों में इस बारे में सूचित कर दिया जाएगा।

गेंद पर लार का इस्तेमाल करना भूल गए थे भुवनेश्वर कुमार, बोले - अब से ऐसा किया करूंगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भुवनेश्वर ने इस बात की स्वीकार किया कि दोबारा से यह नियम बनने के बावजूद वह गेंद को चमकाने के लिए लार का

इस्तेमाल करना भूल गए थे। भुवनेश्वर ने कहा कि लार के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटने के बावजूद वह गेंद को चमकाने के लिए इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में आईपीएल 2025 में गेंद पर मुंह के लार के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। बोर्ड ने यह फैसला 10 टीमों के कप्तानों की सहमति के बाद लिया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हालांकि, अब भी इस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। गेंदबाजी की आदत लार का इस्तेमाल करने की छूट गई है और ऐसा ही कुछ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के साथ हुआ। भुवनेश्वर ने इस बात की स्वीकार किया कि दोबारा से यह नियम बनने के बावजूद वह गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल करना भूल गए थे। भुवनेश्वर ने कहा कि लार के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटने के बावजूद वह गेंद को चमकाने के लिए इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। आईसीसी ने कोरोना के दौरान गेंद को चमकाने के लिए उस पर लार लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईपीएल में भी पहले इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध था जोकि अब हटाया जा चुका है।भुवनेश्वर ने हालांकि कहा कि वह पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले मैच में गेंद पर लार का इस्तेमाल करना नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा, मैं भूल ही गया था कि लार का प्रयोग कर सकता हूं। किसी स्टाफ ने मुझे बताया तो मुझे याद ही नहीं कि इसका इस्तेमाल करना है। शुक्रवार को होने वाले मैच में प्रयोग करके देखूंगा कि इससे फायदा मिल रहा है या नहीं।आईपीएल के दिशा निर्देश आईसीसी के अधिकार क्षेत्र से परे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार कोरोना से पहले गेंद पर लार लगाना आम बात थी। अब कोरोना का खतरा नहीं है तो आईपीएल में गेंद पर लार के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को हटाने में बुराई नहीं थी। इससे पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी से गेंद पर लार का इस्तेमाल करने की मंजूरी देने का आग्रह किया था।

आर्मी स्कूल, बिशप कॉनराड, डीपीएस व एयरफोर्स स्कूल की टीमें सेमीफाइनल में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में

शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आर्मी स्कूल, बिशप कॉनराड, डीपीएस व एयरफोर्स स्कूल की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है। बरेली में श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग, डीपीएस, चाइल्ड केयर बिशप कॉनराड और एयर फोर्स स्कूल ने जीत दर्जकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला मानस स्थली स्कूल और आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग के बीच हुआ। आर्मी पब्लिक स्कूल की ओर से 11वें मिनट में आयुष शर्मा ने पहला गोल किया। 13वें मिनट में हर्षित ने, 17वें मिनट में आर्यन सिंह, 21वें, 35वें और 49वें मिनट में हर्षित ने लगातार गोल कर आर्मी पब्लिक स्कूल की टीम को अजेय बढ़त दिला दी। आर्मी पब्लिक स्कूल ने मानस स्थली स्कूल को 6-0 से मात दी। दूसरे मैच में आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग और डीपीएस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। 50वें मिनट में अद्वय और 55वें मिनट में अजीज ने गोल कर डीपीएस को बढ़त दिलाई। मैच समाप्त होने तक आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग की टीम वापसी नहीं कर पाई। नतीजा डीपीएस ने 2-0 से आर्मी पब्लिक स्कूल को पराजित किया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, बरेली फुटबॉल संघ के सचिव मून राबिंसन, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह देवलिया, टूर्नामेंट की आयोजन समिति के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सोवन मोहंती, नितिन सक्सेना, शंकरपाल मौजूद रहे। तीसरे क्वार्टर फाइनल में पीएमश्री केवी एनईआर और चाइल्ड केयर बिशप कॉनराड की टीमों के बीच भिड़ंत हुई। मैच समाप्त होने तक दोनों टीमें 2-2 गोलों से बराबरी पर रहीं। ऐसे में मैच का नतीजा पेनाल्टी शूटआउट से निकाला गया। पीएम श्री केवी एनईआर ने पांच पेनाल्टी शूटआउट में से दो को गोल में बदला, जबकि चाइल्ड केयर बिशप कॉनराड ने तीन को गोल में तब्दील किया। एयरफोर्स स्कूल और जीआरएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बीच हुए चौथे क्वार्टर फाइनल में हाफ टाइम तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। 33वें मिनट में अमन ने गोल कर एयरफोर्स स्कूल को बढ़त दिला दी। 40वें मिनट में कार्तिक और 49वें मिनट में ध्रुव ने भी एक-एक गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। जीआरएम की टीम एक भी गोल नहीं दाग पाई।

ईशान किशन का फ्लॉप शो जारी, मुंबई के खिलाफ भी नहीं चला बल्ला; सात पारियों में बनाए सिर्फ 138 रन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल के मौजूदा सत्र में ईशान के बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में शतक जरूर जड़ा था लेकिन इसके बाद कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। अब तक खेली सात पारियों में उन्होंने सिर्फ 138 रन बनाए हैं। लखनऊ के खिलाफ वह खाता भी नहीं खोल पाए थे। अब एक बार फिर वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे।सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन एक बार फिर प्रभावशाली प्रदर्शन दिखाने में नाकाम रहे। मुंबई के खिलाफ भी उनका बल्ला खामोश रहा। बुधवार को खेले गए मैच में वह सिर्फ दो रन बना सके। इससे पहले पंजाब के खिलाफ वह सिर्फ नौ रन बना

सके थे। आईपीएल के मौजूदा सत्र में ईशान के बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में शतक जरूर जड़ा था लेकिन इसके बाद कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। अब तक खेली सात पारियों में उन्होंने सिर्फ 138 रन बनाए हैं। फिर वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रह मुंबई के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए ईशान को विल जैक्स ने रेयान रिकेल्टन के हाथों कैच आउट कराया। वह तीनों गेंदों में दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। आज के मुकाबले में फैंस को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने की वंदना कटारिया के करियर की सराहना, बोले- नई पारी के लिए शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत की 32 वर्षीय पूर्व स्ट्राइकर वंदना ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी स्टार वंदना कटारिया के खेल में योगदान की

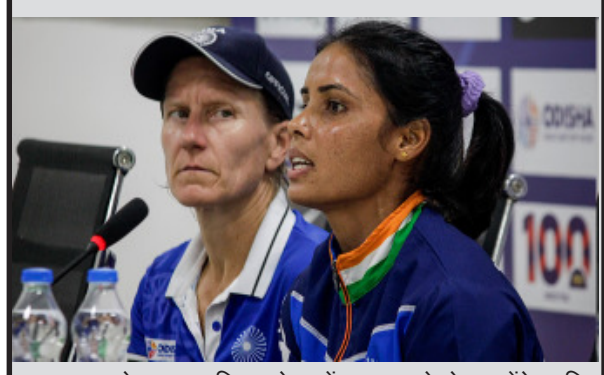

सराहना करते हुए कहा कि अपने शानदार करियर में 320 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलना उनके कौशल और नेतृत्व का प्रमाण है जिसने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कटारिया ने इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके 15 साल के करियर का अंत हो गया।इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर साझा किए गए पत्र में लिखा, 'भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उपलब्धियों से भरे शानदार करियर की बधाई और जीवन की एक नई पारी शुरू करने के लिए आपको हार्दिक शुभकामनाएं। अपने खेल से देशवासियों को गर्व के अनेक अवसर देते हुए आपने विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के तिरंगे को ऊंचा रखने में बड़ा योगदान दिया।'हरिद्वार के रोशनाबाद में जन्मी कटारिया का जन्म साधारण पृष्ठभूमि से हुआ था। उनके पिता भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) में तकनीशियन के रूप में काम करते थे। उन्होंने जाति-आधारित और लिंग-आधारित गालियों के साथ-साथ खराब स्वास्थ्य और अवसाद से जूझते हुए भारतीय हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष किया।प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक साधारण पृष्ठभूमि से आगे आकर अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से हॉकी जगत में एक विशेष पहचान बनाने तक की आपकी यात्रा उल्लेखनीय है। भारतीय महिला हॉकी इतिहास की सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनना आपकी विशिष्ट क्षमताओं का परिचायक है। एक कप्तान के तौर पर आपकी नेतृत्व क्षमता व टीम भावना सराहनीय रही और हॉकी को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में आपने अहम भूमिका निभायी।उन्होंने लिखा, 'देश का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में आपके उत्साह और टीम की आवश्यकता के अनुरुप खेल में विविधता को सराहा जाता रहा है।

सौरव कोठारी ने हासिल की खास उपलब्धि, पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन बने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशपि के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में कई बार के विजेता पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया। क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने बुधवार को स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में प्रतिष्ठित खिताब के लिए भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों- कोठारी और आडवाणी के बीच रोमांचक मुकाबला देखा।कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए। इस जीत से कोठारी ने पहला ऐतिहासिक आईबीएसएफ विश्व खिताब (टाइम्ड' प्रारूप) अपने नाम किया।

राशि फल

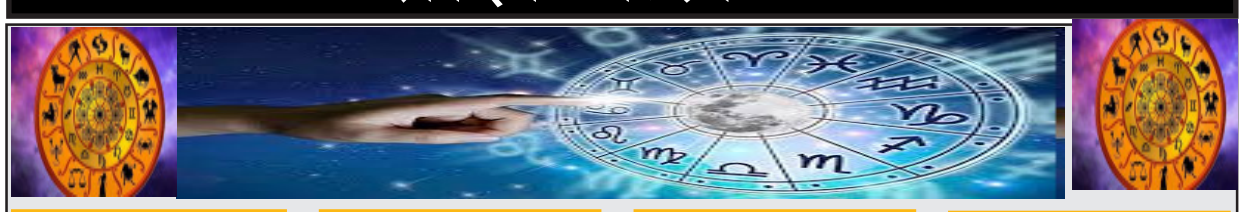

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

इतिहास के घाव कुरेदने के खतरे, भारत को उदार दृष्टिकोण अपनाना ही उचित होगा

अंतरराष्ट्रीय संबंधों की गाड़ी परस्पर हितों के ईंधन से ही आगे बढ़ती है। वैश्विक परिदृश्य पर आकार ले रहे परिवर्तनों के अनुसार ही देशों को नए सिरे से अपनी नीतियों की दिशा मोड़नी पड़ती है, ताकि उनके हितों की पूर्ति होती रहे। यहां यह फिर से दोहराना सही होगा कि विश्व में कोई किसी का न स्थायी मित्र होता है और न स्थायी शत्रु। यहां केवल हित ही शाश्वत होते हैं। भारत को भी इस वास्तविकता से दो-चार होना पड़ा है, जिसमें उसने आर्थिक-वाणिज्यिक एवं सामरिक मोर्चे पर उत्पन्न लहरों के भंवर में अपनी नैया पार लगाने के प्रयास किए हैं। हितों के विरोधाभास की झलक कई पहलुओं से मिल सकती है। जैसे डोनाल्ड ट्रंप अक्सर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना करीबी मित्र बताते रहते हैं, लेकिन टैरिफ लगाने को लेकर उन्होंने कोई संकोच भी नहीं किया। ऐसा ही मोदी और शी चिनफिंग के मामले में देखने को मिला जहां निजी संबंधों का तानाबाना सीमा पर तनाव भड़कने को नहीं रोक पाया। इस समय आर्थिक-वाणिज्यिक एवं सामरिक मोर्चे पर उत्पन्न हुई चुनौतियां यही मांग करती हैं कि भारत अपनी पूरी ऊर्जा उनसे निपटने पर लगाए। इस उद्देश्य की पूर्ति में सामाजिक एकजुटता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण होगा। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों एवं सियासी ताकतों की यह जिम्मेदारी हो जाती है कि वे ऐसा कुछ भी न करें, जो भिन्न-भिन्न समूहों के बीच सौहार्द बिगाड़े। फिर चाहे ऐसा विभाजन भाषा के आधार पर हो या क्षेत्र या फिर किसी और आधार पर। इस समय कुछ राजनीतिक धड़े मध्यकालीन इतिहास की परतें उघाड़ने में लगे हैं, जो हमारे हितों पर आघात कर सकता है। यह सत्य है कि मध्यकाल में आतंकी आक्रांताओं ने हिंदुओं के उपासना स्थलों को जिस प्रकार ध्वस्त किया, उसकी पीड़ा आज भी समुदाय के मन में गहरी टीस पैदा करती है। एक हिंदू होने के नाते मेरे भीतर भी इसे लेकर आक्रोश उपजता है, लेकिन एक भारतीय के रूप में मैं अपनी भावनाओं पर सदैव भारत के हितों को प्राथमिकता दूंगा। यह भावना मुझे अतीतजीवी बने रहने के बजाय वर्तमान एवं भविष्य पर दृष्टि केंद्रित करने को उन्मुख करती है। स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेताओं ने भारत के हितों को देखते हुए अंग्रेजी राज में स्थापित प्रशासन व्यवस्था को ही जारी रखने का फैसला किया। अंग्रेजी राज में उत्पीड़न की कड़वी स्मृतियां भी उनका मानस नहीं बदल पाईं। भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाली महान विभूतियों में से एक सरदार वल्लभभाई पटेल भारत में स्थायित्व के लिए इस पर सहमत हुए कि अंग्रेजों की सेना, पुलिस, नौकरशाही और न्यायपालिका में सक्रिय लोगों की सेवा जारी रखी जाएगी। पटेल ने उस धारणा को सिरे से खारिज किया कि स्वतंत्र भारत में ब्रिटिश शासन तंत्र के कोई चिह्न नहीं होने चाहिए। अपनी अप्रकाशित आत्मकथा में मेरे दादाजी कैलाश नाथ काटजू ने पटेल के हवाले से लिखा कि विगत 150 वर्षों में जबसे अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया, तबसे राजनीतिक परिदृश्य पर ब्रिटिश विचारधारा ने पैठ बनाई है। ऐसे में पटेल ने संसदीय राजनीतिक प्रणाली में छेड़छाड़ के विचार को अस्वीकार्य किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि उन्होंने और अन्य नेताओं ने कभी अंग्रेजों को उनके आतंक एवं उत्पीड़न के लिए कभी माफ किया होगा, लेकिन भारत के हितों के लिए उन्होंने इन भावों की उपेक्षा करना ही उचित समझा। भारतीय इतिहास के मध्यकालीन हिस्से को लेकर भी यही रवैया अपनाना आवश्यक है। अतीत में तमाम भयंकर गलतियां हुई हैं, पर आज विकास एवं रणनीतिक संयोजन राष्ट्रीय एकजुटता की मांग करते हैं। इसके लिए पुराने घाव न कुरेदे जाएं। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि मध्यकालीन भारत में इस्लामी शासन के दौरान जहां कुछ व्यक्तियों एवं वर्गों ने इस्लामिक शासकों का विरोध किया, तो कुछ उनके सहयोगी भी बने। गैर-मुस्लिम भी मुसलमान बने। इन मुद्दों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान विवादों को आमंत्रण देता है। बीते दिनों एक सांसद द्वारा हमारे एक महानायक राणा सांगा के मामले में ऐसा ही किया गया। सदाशिव राव भाऊ के नेतृत्व में पेशवा की सेना और अफगानी आक्रांता अहमद शाह अब्दाली के मामले में भी ऐसी आशंका उपज सकती है।

16 से 19 अप्रैल 2025; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा

नोएडा आईएचजीएफ दिल्ली मेला-स्प्रिंग 2025 का 59वां संस्करण, 16 से 19 अप्रैल, 2025 को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में पुराने संरक्षक खरीददार और पहली बार व्यापार करने वाले आगंतुक दोनों की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता देखी जा रही है। भारत की विविध भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए, यह मेला शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा और प्रचुर मात्रा में कच्चे माल के आधार पर तैयार किए गए उत्पादों को प्रदर्शित करता है। हॉल में 3000 से अधिक प्रदर्शक जिनमें से 900 स्थायी शोरूम में अपने हस्तशिल्प का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही थीम प्रस्तुतियाँ, लाइव प्रदर्शन और कई सहायक तत्व इस आयोजन को एक व्यापकता दे रहे हैं। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने आज मंत्रालय की हरकरघा विकास आयुक्त श्रीमती एम. बीना के साथ आईएचजीएफ दिल्ली मेले का दौरा किया। उन्होंने ई पी सी एच को असाधारण प्रस्तुतीकरण के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रयास ने भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र की ताकत को प्रभावी ढंग से उजागर किया। प्रदर्शकों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने प्रदर्शित उत्पादों की विविध रेंज की गहरी प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से नवीन पेशकशों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये उत्पाद अंतरराष्ट्रीय रुझानों के अनुसार गुणवत्ता निर्माण में भारत की विशेषज्ञता की पुष् करते हैं। श्रीमती एम. बीना ने प्रदर्शन और हॉल और बाहर प्रदर्शित उत्पादों की भी सराहना की। मेले का दौरा राज्यसभा सांसद श्री जावेद अली खान; अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, वस्त्र मंत्रालय श्री असित गोपाल; संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार श्री अजय गुप्ता, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार में आर्थिक सलाहकार सुश्री रेणु लता, सहायक निदेशक तथा अन्य ने किया। ईपीसीएच के चेयरमैन श्री दिलीप बैद ने कहा, ठयह आयोजन पूरी गति और चरम पर है, जिसमें विदेशी खरीदारों, घरेलू खरीददारों, एजेंटों और सामान्य खुदरा खरीदारों की मजबूत भागीदारी और समर्थन का उत्साह देखा जा सकता है। इस आयोजन में नए संपर्क स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि स्थापित व्यवसायी संबंधों को नवीनीकृत और मजबूत किया जा रहा है। खरीदार नए आपूर्तिकर्ताओं से नए उत्पाद लाइन के साथ-साथ परंपरागत प्रदर्शकों से ट्रेंड रेडी कलेक्शन की सक्रिय रूप से खोज कर रहे हैं। कई ऑर्डर पहले ही अंतिम रूप दिए जा चुके हैं, और शो के बाद की चर्चाओं के दौरान और ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।ठ उन्होंने कहा कि आईएचजीएफ दिल्ली मेले में स्थिरता, टिकाऊपन और सस्टेनेबिलिटी एक केंद्रीय विषय बनी हुई है, जिसमें होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग, फर्नीचर और अन्य श्रेणियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील उत्पादों का व्यापक प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शक इन मूल्यों पर आधारित और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं की ओर मजबूत कदम बढ़ा रहे हैं। आईईएमएल के अध्यक्ष और ईपीसीएच महानिदेशक की भूमिका में मुख्य सलाहकार डॉ. राकेश कुमार ने कहा, ठमेले के पहले तीन दिनों में, हमने कई खरीदारों का स्वागत किया है, जिनमें नए और परंपरागत तौर पर यहां आने वाले दोनों ही तरह के खरीदार शामिल हैं, जिन्होंने अपने नियमित और नए आपूर्तिकर्ताओं के साथ ऑर्डर देने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट ने नए व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने, अनुभवी खरीदारों और भारत के हस्तशिल्प निर्यातकों की दूसरी और तीसरी पीढ़ी को एक साथ लाने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम किया है।ठ उन्होंने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा,ठकई प्रदर्शकों ने कपास और जूट की जीवनशैली के सामान और प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया है। इनमें कई हस्तशिल्पी हाथ से पेंट किए गए कारीगर परिधानों से लेकर, रीसाइकल हो सकने वाले कपड़े और कागज से तैयार सजावट और प्रकृति के मौसमी चक्रों के दौरान काटे गए पौधों के रेशों से बने फैशन के सामान तक जीवंत, पर्यावरण के प्रति जागरूक पेशकशों का प्रदर्शन किया। इस तरह का नवाचार खरीदारों के बीच मजबूत आकर्षण प्राप्त कर रहे हैं।ठ ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, ठमेले में ईपीसीएच सस्टेनेबिलिटी बूथ पर सस्टेनेबिलिटी पर विशेष जोर देने के साथ अभिनव उत्पाद डिजाइनों का एक क्यूरेटेड शोकेस है। ईपीसीएच के सदस्य निर्यातकों द्वारा डिजाइन और निर्मित संग्रह, सर्कुलर डिजाइन सिद्धांतों और अक्सर बर्बाद हो जाने वाली प्राकृतिक और रीसाइकल होने वाली सामग्रियों के उपयोग को उजागर करते हैं, जो जिम्मेदार मैन्यूफैक्चरिंग के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इनमें प्रकृतिक तौर पर उत्पादित से लेकर पर्यावरण के अनुकूल फाइबर, मिट्टी और पृथ्वी के पदार्थ के साथ-साथ पुनः उपयोग की जाने वाली स्क्रैप सामग्री तक शामिल हैं। आगंतुकों की बेहतर समझ के लिए सोच-समझकर तैयार उत्पादों और संबंधित सामग्री इनपुट को एक साथ प्रदर्शित किया गया है।ईपीसीएच के उपाध्यक्ष घ्घ् श्री सागर मेहता ने कहा, ठअपने सहायक आयोजनों के साथ मेला पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है.ङ्क साथ ही उन्होंने साझा किया, ठअंतरराष्ट्रीय सलाहकार द्वारा आयोजित वर्कशॉप 'द आर्ट ऑफ अट्रैक्शन' से प्रदर्शकों और आगंतुकों को महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल हुईं। यह सत्र प्रभावशाली बूथों के लिए विज़ुअल मर्चेंडाइज़िंग रणनीतियों पर केंद्रित था, जिसमें अट्रैक्शन के मनोविज्ञान, प्रभावशाली डिजाइन सिद्धांत, भौगोलिक डिजाइन के माध्यम से कहानी कहने की कला, और इंटरऐक्टिव एलिमेंट्स व डिजिटल टूल्स के समावेश जैसे प्रमुख विषयों का गहन विश्लेषण किया गया। उत्पाद डिजाइन में एआई का उपयोग, साइबर सुरक्षा, और एआई-सक्षम सॉफ्टवेयर द्वारा निर्यात प्रक्रिया के ऑप्टिमाइज़ेशन पर आधारित हमारे सेमिनार प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहे गए। उत्साहपूर्ण दर्शकों के लिए आयोजित फैशन शो में कारीगरों द्वारा बनाए गए पारंपरिक परिधानों, फैशन ज्वेलरी और एक्सेसरीज के शानदार संग्रहों के माध्यम से मनमोहक अभिव्यक्तियां प्रस्तुत की गईं। मेले में इंटरैक्टिव और अट्रैक्टिव तत्वों की बात करते हुए, आईएचजीएफ दिल्ली मेला-स्प्रिंग 2025 की स्वागत समिति के अध्यक्ष, श्री निर्मल भंडारी ने जानकारी दी, ठधातु पर उकेरने, लाह की चूड़ी बनाने, पश्मीना सोजनी कढ़ाई, मधुबनी पेंटिंग, सिक्की घास कला और हैंडप्रिंटिंग जैसी प्रसिद्ध कलाओं का लाइव प्रदर्शन मेले में आयोजित किया गया है, जो हमारे अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को अत्यंत उत्साहित कर रहा है।ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने मेले में वैश्विक रुचि को देखते हुए कहा, ठईपीसीएच आयोजनों में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का तीन दशकों से लगातार बना हुआ विश्वास और उनकी सहभागिता मेले के महत्व को और भी रेखांकित करती है। इस संस्करण की खासियत पूरे मेला क्षेत्र में ऊर्जा से भरा हुआ वातावरण है। पूरे दिन प्रदर्शनी हॉल्स में लोगों की भीड़ और सार्थक बिजनेस संवादों की गतिविधियां बनी रही हैं। एक्सेल, जो जर्मनी से एक खरीदार हैं और एक नियमित आगंतुक भी, वो पिछले 9 वर्षों से लगातार इस मेले में शामिल होते रहे हैं। उन्होंने बताया, मैं होम डेकोर, फर्नीचर, टेक्सटाइल, ग्लासवेयर, शो-पीस और हर तरह की छोटी-मोटी चीजें खरीदने के लिए आता हूं। यहां कई आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। जर्मनी में हमारे रिटेल स्टोर और मेल ऑर्डर हैं जहां हम ये सभी उत्पाद बेचते हैं। इस बार मैं यहां केवल एक दिन के लिए आया हूं, लेकिन मैंने इसका भरपूर फायदा उठाया है।यूके के क्रिस मोरलैंड यहां लाइटिंग पर आधारित उत्पादों के लिए आए हैं। वो यहां कुछ समय के बाद आए हैं। वे कहते हैं, ठमैं नए साझेदारों की तलाश में एक नई सोच के साथ आया हूं, और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि यह मेरा बहुत सही फैसला रहा है। डिजाइन में आया बदलाव वाकई प्रशंसनीय है, और जो नवाचार और रचनात्मकता मैं यहां देख रहा हूं, वह मुझे सचमुच रोमांचित कर रही है। मुझे हमेशा इस मेले की ऊर्जा अच्छी लगती रही है, और इस बार मैं सार्थक साझेदारियों को लेकर बहुत आशान्वित हूं।हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने की एक नोडल एजेंसी है, इसका उद्देश्य देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी और एक्सेसरीज उत्पादों को बनाने में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू को एक मजबूत ब्रांड छवि के रूप में स्थापित करना है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का अनुमानित अस्थायी (प्रोविजनल) निर्यात 33,490.79 करोड़ रुपये (3959.86 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का रहा।

लोकतंत्र के अनुभवों से निराश नेपाल, लोकतंत्र के कटु अनुभव

नेपाल इस समय राजनीतिक एवं आर्थिक अस्थिरता से घिरा है। एक लंबे राजनीतिक आंदोलन के बाद अप्रैल 2008 में नेपाल में राजशाही समाप्त हुई संविधान सभा के चुनाव हुए थे। इससे पूर्व लोकतंत्र की महक का पहला अहसास 1951 में हुआ था, जब 104 वर्ष की राणाशाही का अंत हुआ था। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बीपी कोइराला, गणेश मान सिंह, जीपी कोइराला आदि के संघर्षों का नतीजा था कि 1959 में पहली जनतांत्रिक सरकार अस्तित्व में आई, लेकिन राजवंश को ऐसी कोई व्यवस्था स्वीकार नहीं थी, लिहाजा सभी दलों पर प्रतिबंध लगाकर संविधान एवं संसद को भंग कर दिया गया। नई सदी में पुनः लोकतंत्र बहाली आंदोलन में वामपंथी संगठनों की व्यापक हिस्सेदारी रही, जिसमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) और पुष्पकमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी पार्टी भी शामिल रही। कोइराला बंधुओं के घटते प्रभाव और आंतरिक कलह का नतीजा यह रहा कि प्रजातंत्र बहाली के अगुआ माओवादी और एमाले हो गए। पिछले 16-17 वर्षों में लोकतंत्र समर्थक दलों के प्रति जनता के अविश्वास का ही नतीजा है कि राजशाही के समर्थन में जनता सड़कों पर उतर आई। नेपाल में इस समय कई विकल्पों पर चर्चा गर्म है। इस चर्चा के बीच ऐसे सवाल भी तैर रहे हैं कि क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था विफलता की ओर अग्रसर है? क्या पुनः राजशाही ही एकमात्र विकल्प है? क्या नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए? प्रचंड से लेकर नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा तक यह मानने लगे हैं कि जनतंत्र समर्थक सरकारें जनता का विश्वास जीतने में विफल रही हैं। सभी दलों के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है, लेकिन राजशाही के समर्थन में किसी व्यापक जनउभार से ये नेता इन्कार कर रहे हैं। पिछले दिनों सभी दलों की बैठक में सर्वसम्मति से कहा गया कि राजशाही के समर्थन में निकले जुलूस के पीछे पूर्व राजा ज्ञानेंद्र की शह थी। हाल में नेपाली नव वर्ष (14 अप्रैल) को ज्ञानेंद्र ने जनता के नाम संदेश में कहा कि देश की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से सोचना चाहिए। इसी दिन प्रचंड ने दावा किया कि देश को जल्द नई सरकार और नया गठबंधन देखने को मिलेगा। इस पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि सरकार बदलने की बात दिवास्वप्न जैसी है। प्रचंड ने सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर को ओली का साथ छोड़कर खुद के नेतृत्व में सरकार बनाने का प्रस्ताव भी दिया। आगे जो भी हो, सभी दलों के नेता इस पर सहमत दिखते हैं कि पिछले वर्षों में नेपाल में बहुत कम विकास हुआ है। नेपाल में आर्थिक कठिनाई और राजनीतिक अस्थिरता के बीच भ्रष्टाचार चरम पर है। भ्रष्टाचार ने सरकार, व्यवसाय और समाज के सभी स्तरों पर घुसपैठ कर ली है, जिससे नागरिकों में रोष फैल रहा है। नौकरी पाने, सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में राजनीतिक रसूख और रिश्वत को आवश्यक माना जाता है। ऐसे कई घोटाले हुए हैं, जिन्होंने सत्ता के कदाचार को उजागर किया है। सबसे ज्यादा निराशा वामपंथी नेताओं के आचरण को लेकर है, जिन्होंने शुचिता और सादगी को आवश्यक माना था। विलासितापूर्ण जीवनयापन में उन्होंने राजशाही की बराबरी कर ली है। जिन बातों को लेकर 'महल' की आलोचना की जाती थी, वे सभी अवगुण इन नेताओं की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। आर्थिक रूप से भी नेपाल अभी खस्ताहाल है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2024 के अनुसार 20 प्रतिशत से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। नेपाल में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण लोग विदेश पलायन को मजबूर हैं। आर्थिक चुनौतियों के बीच नेपाल का राजनीतिक परिवेश इतना खराब हो चला है कि प्रधानमंत्री ओली जहां भी सभा करने जा रहे हैं वहां, 'नेता चोर हैं, नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाओ' जैसे नारे गूंज रहे हैं। नेपाल में हिंदू राष्ट्र और राजशाही की बहाली के लिए कई समूह आंदोलन चला रहे हैं। दुर्गा प्रसाई राजशाही के समर्थन में चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पूर्व वह नेपाली कांग्रेस, माओवादी पार्टी और एमाले में रह चुके हैं। नेपाल में 1996 से 2006 तक चले गृहयुद्ध में भी उनकी भूमिका खासी महत्वपूर्ण थी। इस गृहयुद्ध में 17 हजार से अधिक लोग मारे गए थे। राजशाही समर्थक अब संसद पर कब्जे के नारे लगाते दिखते हैं। 'हिंदू राष्ट्र' समर्थक कई नेताओं की वार्ता से लगता है कि वे राजशाही की वापसी के प्रति नरमी नहीं रखते, पर देश को फिर हिंदू राष्ट्र बनता हुआ देखना चाहते हैं। नेपाली जनमत का एक बड़ा वर्ग भारतीय रुख के प्रति सकारात्मक राय रखता है। प्रचंड और ओली की भारत यात्रा निकट भविष्य में संभावित है। दोनों देश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत एक-दूसरे को मजबूत धागे में बांधे हुए है। पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य महंत रावल गणेश भट्ट भारतीय हैं और स्वयं को आदि शंकराचार्य का वंशज मानते हैं। भगवान बुद्ध और माता सीता भी दोनों देशों के संबंधों की कड़ी हैं। लोकतंत्र के कटु अनुभवों ने नेपाली जनमानस को झकझोर कर रख दिया है और भारत विरोधी रुख अपनाने वाले नेता भी अब भारत की भूमिका की प्रशंसा में लगे हैं। हाल में विदेश मंत्री जयशंकर भारत-नेपाल संबंधों पर काफी सक्रिय दिखे, पर ओली के वक्तव्य गलत संदेश दे रहे हैं। वह राजशाही बहाली आंदोलन के पीछे भारत का हाथ देखते हैं।

सिमटते आधार से घबराए माओवादी, परंतु हथियार छोड़ने पर सहमति नहीं

हाल में माओवादियों की उच्चस्तरीय केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता 'अभय' (छद्म नाम) ने एक प्रेस नोट जारी कर सरकार को शांतिवार्ता के लिए अनुरोध किया। अभय ने वार्ता के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के साथ-साथ नए सुरक्षा कैंप स्थापित न करने और सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान बंद करने की शर्तें रखी है। इसके जवाब में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार माओवादियों से बातचीत कर सकती है, परंतु कोई शर्त मान्य नहीं होगी। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि माओवादी हथियार छोड़ दें, क्योंकि जब कोई भी माओवादी मारा जाता है तो किसी को खुशी नहीं होती। माओवादियों ने शांति-वार्ता की पेशकश अवश्य की है, परंतु हथियार छोड़ने के संबंध में कुछ नहीं कहा है। दरअसल माओवादी सुरक्षा बलों के हाथों लगातार मात खाने के बाद और नुकसान नहीं होना देना चाहते। माओवादियों ने हाल में अपने सदस्यों को सुरक्षात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए थे ताकि वे पुलिस के चंगुल में न फंसें। जहां तक पूर्व में शांति के पक्ष में किए गए प्रयासों का प्रश्न है, तो सरकारों का अनुभव कुछ अच्छा नहीं रहा। वर्ष 2002 में भी नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के समक्ष एक माह के लिए हिंसा छोड़ने और शांति-वार्ता का प्रस्ताव रखा तो वह आगे इसलिए नहीं बढ़ सका, क्योंकि तब नक्सली हथियार छोड़ने को तैयार नहीं थे। वार्ता की आड़ में नक्सल विचारधारा की मुख्य दो पार्टियां सीपीआइ (एमएल) पीपुल्स वार और माओइस्ट कम्युनिस्ट सेंटर आफ इंडिया मिलकर सीपीआइ (माओवादी) पार्टी बनाने में व्यस्त थीं। 2004 में इन दो पार्टियों का विलय हो गया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बातचीत का समय नक्सलियों ने अपने राजनीतिक एजेंडे को प्रसारित करने के लिए उपयोग किया था। शांति-वार्ता का अगला प्रयास तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम द्वारा मई 2010 में किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश के माध्यम से माओवादियों के नाम गृहमंत्री ने एक पत्र लिखकर माओवादियों को 72 घंटे के लिए हिंसा रोकने के लिए अनुरोध किया, ताकि वार्ता के लिए माहौल तैयार किया जा सके, परंतु उसी दौरान एक जुलाई, 2010 को माओवादियों की केंद्रीय कमेटी के सदस्य आजाद की आंध्र प्रदेश पुलिस मुठभेड़ में मृत्यु हो जाने के बाद बातचीत के प्रयास वहीं रुक गए। वर्ष 2011 के बाद से माओवादी खुद यह मानते आए हैं कि उनका जन-आधार लगातार घट रहा है। सुरक्षाबल नए-नए कैंप और पुलिस थाने स्थापित कर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। माओवादियों की पीपुल्स लिबरेशन गोरिल्ला आर्मी की कई कंपनियां कमजोर होकर प्लाटून के आकार में बदल गई हैं। दिसंबर 2020 में जब माओवादियों की केंद्रीय कमेटी ने अपने संगठन की समीक्षा की तो पाया कि पूरे देश में वे पीछे-हटने की स्थिति में हैं। अपनी तथाकथित क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए माओवादियों की केंद्रीय कमेटी ने तब कुछ निर्णय लिए, परंतु वे अपना नुकसान होना नहीं रोक पाए और लगातार कमजोर होते गए।

कोलकाता पहुंचीं एनसीडब्लू प्रमुख विजया, मुर्शिदाबाद हिंसा पीड़ितों से करेंगी मुलाकात; हालात की जानकारी लेंगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने हिंसा की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है, जिसमें आयोग अध्यक्ष विजया रहाटकर भी शामिल हैं। जांच टीम तीन दिन हिंसा प्रभावित इलाकों में जाकर महिलाओं से बात करेगी। इसके अलावा, जांच समिति मालदा भी जाएगी। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर अगले तीन दिन वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा से प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले का दौरा करेंगी। वह हिंसा प्रभावित मालदा भी जाएंगी। इस दौरान वह वहां हिंसा प्रभावित महिलाओं से मुलाकात करेंगी। रहाटकर ने कहा कि हमें हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में जाने की जरूरत है। उसके बाद ही मैं कुछ कह पाएंगी। उन्होंने कहा कि हम डरी हुई महिलाओं को आत्मविश्वास देने आए हैं। एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष विजया बृहस्पतिवार को कोलकाता पहुंचीं। यहां हवाई अड्डे से बाहर निकलने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'यहां भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद यहां की महिलाएं बहुत डरी हुई हैं। मैं ने इसका संज्ञान लिया है। हमने एक जांच समिति गठित की है। मैं भी जांच समिति का हिस्सा हूं। अगले तीन दिनों में हम हिंसा प्रभावित इलाकों- मालदा और

मुर्शिदाबाद जाएंगे। वहां प्रभावित महिलाओं से मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे। अर्चना मजूमदार जैसे आयोग के अन्य सदस्य भी मेरे साथ होंगे।' इससे पहले, एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में बेहद परेशान करने वाली घटना को गंभीरता से लेते हुए, राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। हिंसा की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा कि आयोग ने धुलियान के मंदिरपारा इलाके और मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज इलाके में सांप्रदायिक अशांति के दौरान कई महिलाओं के साथ भयानक छेड़छाड़ की घटनाओं के बाद आई रिपोर्ट्स का संज्ञान लिया है।एनसीडब्ल्यू प्रमुख रहाटकर ने कहा कि हिंसा के कारण सैकड़ों महिलाएं पलायन करने के लिए मजबूर हुईं। इनमें से कई को सुरक्षा की तलाश में भागीरथी नदी पार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने नदी पार कर पास के मालदा में शरण ली। उन्होंने कहा कि वह स्थानीय पीड़ितों, उनके परिवारों से बातचीत करेंगी। इसके अलावा, मुर्शिदाबाद और मालदा के जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी मिलेंगी।बता दें कि 11 और 12 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ मुर्शिदाबाद में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शन कुछ ही समय में हिंसा में बदल गया और जिले के शमशेरगंज, सुती, धुलियान और जंगीपुर इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया। इन इलाकों में हुई हिंसा के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसा से विस्थापित लोगों की पहचान और उनके पुनर्वास के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने यह भी कहा कि मुर्शिदाबाद में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती का निर्देश देने वाला 12 अप्रैल का उसका अंतरिम आदेश जारी रहेगा। अदालत ने कहा कि तीन सदस्यीय समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) और पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग (डब्ल्यूबीएचआरसी) के एक-एक अधिकारी के अलावा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) के सदस्य सचिव शामिल होंगे। समिति को विस्थापित व्यक्तियों की पहचान करने, पीड़ितों की संपत्तियों को हुए नुकसान की सीमा का पता लगाने तथा दर्ज की गई एफआईआर का डेटा एकत्र करने का निर्देश दिया गया।

हाईकोर्ट ने कर्नाटक सरकार को लताड़ा, पूछा- वक्फ कानून के विरोध में प्रदर्शन की अनुमति क्यों दी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कर्नाटक। कर्नाटक हाईकोर्ट ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई, जबकि

अभी मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही को देखते हुए इस तरह के प्रदर्शन की अनुमति देना अनुचित है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को लेकर राज्य सरकार को लताड़ लगाई। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा कि उसने कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अनमुति क्यों दी, जबकि मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही को देखते हुए इस तरह के प्रदर्शन की अनुमति देना अनुचित है। मामले की सुनवाई 23 अप्रैल को दोबारा की जाएगी। जस्टिस नागप्रसन्ना ने कहा, राज्य को यह ध्यान में रखना चाहिए कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के मामले में सुप्रीम कोर्ट विचार कर रहा है। इस दौरान इस तरह के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इस तरह के आयोजनों से सार्वजनिक सड़कें बाधित न हों और विरोध प्रदर्शन केवल निर्दिष्ट स्थानों पर और आधिकारिक अनुमति के साथ ही किए जाएं। अदालत ने जोर देकर कहा, अगर अनुमति नहीं है, तो कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया जा सकता।हाईकोर्ट की ये टिप्पणियां मंगलुरु निवासी राजेश ए की याचिका की सुनवाई के दौरान आईं। याचिका में शहर के पुलिस आयुक्त की ओर से जारी किए गए एक संदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें निजी बस ऑपरेटरों और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम को निर्देश दिया गया था कि वे वक्फ अधिनियम संशोधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण शुक्रवार दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक राष्ट्रीय राजमार्ग 73 के एक हिस्से पर सेवाएं संचालित न करें। याचिकाकर्ता के अनुसार, इस सलाह के कारण सार्वजनिक परिवहन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न हुआ है। अधिवक्ता हेमंत आर राव और लीलेश कृष्ण ने उनका प्रतिनिधित्व किया।विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर राज्य सरकार ने अपने जवाब में अदालत को बताया कि प्रारंभिक संचार को संशोधित किया गया है। सामान्य यातायात प्रवाह बनाए रखा जाएगा। हालांकि, अधिकारियों ने सलाह दी है कि भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहन एहतियात के तौर पर वैकल्पिक मार्ग अपनाएं।

24 घंटे बिजली-पानी के लिए तरसे तीन मोहल्ले, बंद रहे दो स्कूल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चित्रकूट। शहर के शंकर बाजार गंगाजी रोड पर पेड़ गिरने से बिजली के खंभे टूट गए थे। इससे लगभग 24 घंटे से बिजली की आपूर्ति बाधित है। बिजली न आने से तीन मोहल्ले में जलापूर्ति गुरुवार को नहीं हुई। ऐसे में लोगों को गलियों में दूर लगे हैंडपंप से पानी का इंतजाम करना पड़ा। इस कारण मोहल्ले के दो स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया। शंकर बाजार में बुधवार की शाम दिवाकर अस्पताल के पास पीपल का बड़ा पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया था। इससे बिजली के दो खंभे और तार टूट गए। इस कारण तीन मोहल्लों की बिजली आपूर्ति बंद रही। गुरुवार की शाम तक यही स्थिति रही। स्थानीय निवासी सुशील सिंह ने बताया कि गर्मी के दिनों में रात भर बिजली नहीं आई। दिन में पानी की आपूर्ति नहीं हुई। घर परिवार व पड़ोस के लोगों को सड़क के उस पार जाकर पानी लाना पड़ा। राहुल कुमार ने बताया कि बिजली पानी न मिलने से गुरुवार को आसपास के कई बच्चे स्कूल नहीं गए।बिजली पानी की समस्या को देखते हुए शंकरबाजार, खटकाना, शंकरगंज में संचालित छोटे बच्चों के स्कूल चित्रकूट पब्लिक स्कूल व अन्य स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। वन विभाग की टीम ने पेड़ को रास्ते से हटवा दिया है। बिजली विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में नया बिजली का खंभा लगा दिया गया। दोपहर तक तार बिछाने का काम होता रहा। अधिशाषी अभियंता दीपक सिंह ने बताया कि खंभे व तार बदलने के बाद रात आठ बजे बिजली आपूर्ति बहाल करा दी गई है।

तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम, लैब में होगी जांच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चित्रकूट। गोदावरी के जंगल में बरौंधा निवासी दो भाइयों वीरेंद्र और

जितेंद्र के कंकाल पेड़ से टंगे मिलने के मामले की गुत्थी दूसरे दिन उलझी रही। तीन डॉक्टरों के पैनल ने कंकालों का पोस्टमार्टम किया। इसमें मौत के सही कारण की जानकारी नहीं हुई। डीएनए टेस्ट के नमूने लिए गए हैं। कंकालों को विशेष जांच के लिए भोपाल लैब भेजा गया है। पुलिस अभी तक इसे खुदकुशी ही मान रही है।28 जनवरी को सतना से लापता बरौंधा के वीरेंद्र व जितेंद्र के कंकाल 78 दिन बाद गोदावरी के जंगल में मिले। सतना में गुरुवार को तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। सूत्र बताते हैं गर्दन की हड्डी टूटी मिली है। पुलिस खुदकुशी न मानकर हत्या की आशंका जता रही है। मौत के सही कारणों की जानकारी के लिए कंकालों को भोपाल लैब भेजा गया है।गुरुवार को चित्रकूट और सतना पुलिस टीम ने फिर से घटनास्थल का निरीक्षण किया। मां गोल्हरी देवी ने बताया कि दोनों बेटे टोपी लगाते थे। इसी आधार पर खोजबीन की गई तो दूसरे भाई की भी टोपी मौके से मिली है। एक टोपी बुधवार को ही मिल गई थी। सतना एसपी आशुतोष गुप्ता ने बताया कि पुलिस जल्दबाजी नहीं ठोस जानकारी व जांच के बाद ही इस मामले की पुष्टि करेगी। मृतक भाइयों की मां का व्यवहार भी गांव में सबसे अच्छा नहीं था। प्रथम पूछताछ में यह जानकारी मिली है। इसकी जानकारी और की जा रही है।

एम्स में बना है 44 करोड़ से 500 की क्षमता का रैन बसेरा, सीएम योगी करेंगी उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। गोरखपुर शहर पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों और सीमावर्ती बिहार तथा पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के लिए महत्वपूर्ण

केंद्र हैं। प्रतिदिन यहां बड़ी तादाद में ऐसे लोग आते हैं जिन्हें किन्हीं जरूरी कारणों से रात्रि प्रवास करना पड़ता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में बनने जा रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रैन बसेरे का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यहां पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सौजन्य से 44 करोड़ रुपये की लागत से3 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनेगा। 18 अप्रैल को भूमि पूजन कर सीएम योगी इसके निर्माण का शुभारंभ करेंगे।गोरखपुर शहर पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों और सीमावर्ती बिहार तथा पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। प्रतिदिन यहां बड़ी तादाद में ऐसे लोग आते हैं जिन्हें किन्हीं जरूरी कारणों से रात्रि प्रवास करना पड़ता है। रात्रि प्रवास करने वालों में सबसे अधिक संख्या इलाज के लिए आने वालों की होती है।ऐसे लोगों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग रैन बसेरों में शरण लेते हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही योगी आदित्यनाथ का जोर रैन बसेरों की संख्या/क्षमता बढ़ाने और वहां जरूरी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर रहा है। इसके लिए समय-समय पर वह खुद कई रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा भी लेते हैं।वर्तमान समय में नगरीय क्षेत्र में 14 रैन बसेरे संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 667 लोगों की है। इनमें से 13 का संचालन नगर निगम और एक का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा किया जा रहा।अब एम्स गोरखपुर में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग की सीएसआर निधि से 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनने जा रहा है। यह न केवल गोरखपुर का बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा रैन बसेरा होगा। इसके निर्माण पर 44 करोड़ रुपये की लागत आएगी।इसका शिलान्यास 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रस्तावित है। एम्स गोरखपुर की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन देश दीपक वर्मा के मुताबिक एम्स में आने वाले मरीजों और तीमारदारों की सहूलियत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही पूर्व में रैन बसेरे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। एम्स में रैन बसेरा बन जाने के बाद यहां आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भटकना नहीं पड़ेगा।

दुकानदार समर्थक और महिलाएं आमने-सामने, लगाया जाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। नगर में स्थित शाहकुटी में शराब की दुकान के विरोध में महिलाएं धरने पर बैठी हैं। बृहस्पतिवार को महिलाओं और दुकानदार के समर्थकों के बीच कई बार विवाद की स्थिति पैदा हुई। इस बीच महिलाओं ने दो बड़े बांस लगाकर कालीमहाल-नई सट्टी मार्ग पर जाम कर दिया। इसके चलते करीब एक घंटे तक आवागमन ठप रहा। इसके बाद पहुंची पुलिस ने कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। तब जाकर लोग शांत हुए। उसके बाद बांस हटाया गया। नगर में स्थित शाहकुटी में शराब की दुकान खोले जाने का महिलाएं विरोध कर रही हैं। बृहस्पतिवार को विरोध कर रहीं महिलाओं ने सड़क के दोनों तरफ बांस लगाकर जाम लगा दिया। चिलचिलाती धूप में लोग पैदल जाने लगे। वहीं कई बाइक सवारों को भी घूमकर जाना पड़ा। इस दौरान स्कूली वाहन को दिक्कत हुई तो कुछ लोगों ने इसका विरोध किया। लोगों ने सड़क से बांस हटाने का प्रयास किया तो महिलाएं उनका विरोध करने लगीं। महिलाओं ने लोगों से बांस छीन लिया। इसके बाद अहाते में हैंडपंप लगाए जाने का भी महिलाओं ने विरोध किया। मौके पर पहुंची सलमा किन्नर ने शराब की बिक्री बंद करने को कहा। बाद में मौके पर पहुंचे मुगलसराय कोतवाली प्रभारी विजय बहादुर सिंह ने सड़क से बांस को हटवा दिया। उन्होंने बताया कि बांस हटवा दिया गया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि धरने के दौरान मार्ग पर जाम लगाकर आवागमन रोकने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शौच के बहाने नदी में नहाने गए, पैर फिसलने पर डूबने से दो बच्चों की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चकिया। भरेहटा खुर्द गांव के समीप से गुजर रही चंद्रप्रभा नदी में गांव के ही दो बच्चे गुरदयाल यादव (12) और हासिल (11) की नहाते समय डूबने से मौत हो गई।दोनों घर से शौच का बहाना करके नदी में नहाने पहुंच गए थे। जहां नहाने के दौरान दोनों का पैर फिसल गया और दोनों डूब गए। ग्रामीणों ने नदी में कूदकर उन्हें बाहर निकाला और चकिया जिला संयुक्त चिकित्सालय ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भरेहटा कला गांव निवासी धनंजय यादव का छोटा बेटा गुरुदयाल यादव बृहस्पतिवार की दोपहर अपने बड़े भाई गुरुध्यान के साथ और गांव के ही नौशाद अली का बड़ा बेटा हासिल अपने छोटे भाई भुवर के साथ शौच का बहाना बनाकर चंद्रप्रभा नदी में नहाने चले गए। फिसलन की वजह से चंद्रप्रभा नदी में नहाने के दौरान गुरुदयाल और हासिल का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। यह देख दोनों के भाई भुवर और गुरुध्यान गांव की ओर दौड़े और शोर मचाने लगे। जानकारी मिलते ही गांव के कमलेश यादव सहित कई ग्रामीण पहुंचकर नदी में कूद गए और बालकों की तलाश शुरू कर दी। दोनों को नदी से बाहर निकालकर संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना की जानकारी होने पर चकिया के भाजपा विधायक कैलाश आचार्य ने परिजनों को ढाढ़स बंधाया। कोतवाली पुलिस को परिजनों की सहायता करने का निर्देश दिया। कोतवाल अतुल प्रजापति ने बताया कि बच्चों के परिजनों ने किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं दी है और पोस्टमार्टम न कराने की बात कही। इस पर बच्चों का शव उनको सौंप दिया गया।

परिवार की महिला से प्रेम प्रसंग में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बांदा। परिवार की महिला से प्रेम प्रसंग के चलते बुधवार को नरैनी के साहपाटन गांव के पाताल देवी स्थान निवासी पुष्पेंद्र (19) ने खेत में नीम के पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। चरवाहों ने देर शाम देखा तो परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने मोबाइल फोन कब्जे में लिया है। काल डिटेल खंगाली जा रही है चाचा चुन्नू ने बताया कि पुष्पेंद्र के पिता रज्जा उर्फ राजकुमार अहमदाबाद में मजदूरी करते हैं। मां की चार माह पहले बीमारी से निधन हो चुका है। घर में दो बहनों में अकेला भाई था। चाचा के मुताबिक, बुधवार को दोपहर पुष्पेंद्र भैंस चराकर घर आया था। खाना खाकर वह बहन नीता से कहा कि वह मजदूरी का पैसा लेने जा रहा है। शाम को खुदकुशी की खबर आई।बताया कि पुष्पेंद्र के परिवार की एक महिला से प्रेम प्रसंग भी था। इसी के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है। नरैनी सब इंस्पेक्टर इंदल कुमार ने बताया कि पुष्पेंद्र का मोबाइल कब्जे में लिया गया है। काल डिटेल निकाली जा रही है।

कोयंबटूर धमाके में पांच और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल, एनआईए बोली- आतंकी कृत्य में शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एनआईए ने अक्तूबर 2022 में हुए कोयंबटूर कार बम धमाका मामले में पांच और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इस मामले में

अब तक 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अक्तूबर 2022 में हुए कोयंबटूर कार बम धमाका मामले में पांच और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए ने इनके खिलाफ हिंदू मंदिर को निशाना बनाने सहित आतंकी हमले से जुड़ी अन्य गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। इस मामले में अब तक कुल 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। यह बम धमाका आईएसआईएस से प्रेरित था। विस्फोट को अंजाम देने वाले आत्मघाती हमलावर को सुरक्षा बलों ने मौके पर ही मार गिराया था।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एनआईए ने मामले में अपना चौथा पूरक आरोपपत्र दायर किया, जिसमें एजेंसी ने शेख हिदायतुल्ला, उमर फारूक, पावस रहमान, शरण मरियप्पन और अबू हनीफा पर आतंकी वित्तपोषण व अन्य आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। एनआईए के अनुसार, कोयंबटूर में हिंदू मंदिर अरुलमिगु कोट्टई संगमेश्वर थिरुकोविल को निशाना बनाकर आंतकी हमला किया था। अपने नवीनतम आरोप पत्र में, एनआईए ने शेख हिदायतुल्ला और उमर फारूक के खिलाफ आतंक वित्तपोषण के आरोपों का एक नया सेट दायर किया है। इस मामले में अन्य अपराधों के लिए दोनों के खिलाफ पहले भी आरोप पत्र दायर किया गया था। एनआईए के बयान के अनुसार, दोनों ने 2021-2022 में एक फर्जी कोविड वैक्सीन प्रमाणपत्र घोटाला किया। इस पैसे का उपयोग आरोपियों ने अक्तूबर 2022 में कार बम धमाके के लिए विस्फोटक और अन्य संसाधनों की सामग्री खरीदने के लिए किया। हालांकि, विस्फोट को अंजाम देने वाला आत्मघाती हमलावर मारा गया। एनआईए के अनुसार, वैक्सीन प्रमाणपत्र घोटाले को आरोपी पावस रहमान और शरण ने अंजाम दिया था, जबकि अबू हनीफा ने फर्जी प्रमाणपत्र बनाने के लिए पैसे मुहैया कराए थे। जमेशा मुबीन ने एक मोडिफाइड कार में वाहन-जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (वीबीआईईडी) का उपयोग करके आत्मघाती बम विस्फोट को अंजाम दिया था। इस घटना में उसकी मौत हो गई थी, और इस प्रकार उसके खिलाफ आरोप हटा दिए गए थे।

बिना ड्राइविंग लाइसेंस के नए ई-रिक्शा के पंजीयन पर रोक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। पंजीकरण के बगैर चल रहे ई-रिक्शा के खिलाफ परिवहन विभाग की ओर से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। एआरटीओ प्रशासन ने ड्राइविंग लाइसेंस के बगैर नए ई-रिक्शा के पंजीयन पर रोक लगा दी है। वहीं दूसरी तरफ एक अप्रैल से शुरू किए गए अभियान के तहत अब तक अवैध रूप से संचालित 184 ई-रिक्शा के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 50 ई-रिक्शा को विभिन्न थानों में बंद किया गया।ड्राइविंग लाइसेंस के बगैर ई-रिक्शा चलाने वालों के खिलाफ परिवहन विभाग सख्त हो गया है। बीते 23 मार्च को मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में परिवहन विभाग की ओर से एक अप्रैल से अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के दौरान अब तक परिवहन विभाग की ओर से अवैध रूप से संचालित 184 ई-रिक्शा के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। इसके अलावा 50 ई-रिक्शा को विभिन्न थानों में बंद किया गया। इस दौरान कुल 12 लाख रुपये का चालान किया गया। विभाग की ओर से नाबालिग द्वारा वाहन चलाने, फिटनेस नहीं कराने, इंश्योरेंस नहीं कराने व पंजीयन के बगैर ई-रिक्शा चलाने पर कार्रवाई की जा रही है। एआरटीओ प्रशासन डॉ. सर्वेश गौतम का कहना है कि बिना फिटनेस एवं ड्राइविंग लाइसेंस के चलने वाले ई-रिक्शा न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरे की वजह बनते हैं, बल्कि वे यात्री और चालक दोनों के लिए जोखिम भी पैदा करते हैं। अवैध ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। बिना ड्राइविंग लाइसेंस के ई-रिक्शा का पंजीयन नहीं करा सकेंगे।

कर चोरी के आरोप में आठ व्यापारियों से वसूले 2.60 लाख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चंदौली। खाद्यान्न की खरीद व बिक्री करने वाले व्यापारियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। विपणन

विभाग ने कर चोरी करने वाले आठ व्यापारियों से 2.60 लाख रुपये जुर्माना वसूल किया है।विपणन विभाग की ओर से खाद्यान्न की खरीद व बिक्री करने वाले लाइसेंसधारकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अब तक चलाए गए अभियान में कर चोरी के आरोप में आठ व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उनसे जुर्माना के रूप में 2.60 लाख रुपये की वसूली की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि अगर आगे भी कर चोरी की शिकायत मिली तो उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। जिला विपणन अधिकारी अनुपम निगम ने बताया आठ व्यापारियों से कर चोरी के आरोप में जुर्माना के रूप में 2.60 लाख रुपये की वसूली की गई है। आगे भी कोई व्यापारी कर चोरी करते पाया गया तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

सोनिया-राहुल पर ईडी की कार्रवाई के खिलाफ निकाला जुलूस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चित्रकूट। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल करने से कांग्रेसी आक्रोशित हैं। बुधवार को कांग्रेसियों ने हाईवे पर जुलूस निकालकर विरोध जताया। पटेल तिराहे पर धरना दिया। कांग्रेसियों ने कहा कि भाजपा चुनावों में हार के भय से दबाव में लाने की साजिश कर रही है।जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला। जिला कचहरी स्थित पार्क से कचहरी होते हुए हाईवे के धनुष चौराहा, पटेल तिराहा पहुंचे। सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के सामने धरना दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले पर ईडी ने फर्जी तरीके से सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ चार्ज शीट दाखिल की। इससे पूरे देश के कार्यकर्ताओं में असंतोष व्याप्त है।पीसीसी सदस्य रंजना बराती लाल पांडेय ने कहा कि सरकार महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेसी नेता गज्जू प्रसाद फौजी, शिव गुलाम वर्मा ने भी संबोधित किया। विजय मणि त्रिपाठी, अवधेश करवरिया, डॉक्टर राकेश वर्मा, सत्यनारायण कोल, कालीचरण राजपूत, यमुना शुक्ला भी शामिल रहे। उधर, कांग्रेस के एआईसीसी सदस्य पंकज मिश्र ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी व राहुल गांधी का नाम शामिल करने में भाजपा सरकार की साचिश है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

कमल हासन, मणिरत्नम और एआर रहमान ला रहे गैंगस्टर पर फिल्म, जारी हुआ पहला गाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कमल हासन, मणिरत्नम और एआर रहमान की जोड़ी 'ठग लाइफ' फिल्म में एक साथ काम कर रही है। आज चेन्नई में फिल्म पर पहली प्रेस मीट में फिल्म का पहला गाना रिलीज हो गया है। कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' रिलीज होने वाली है। आज चेन्नई में इस फिल्म की पहली प्रेस मीट हुई। शुक्रवार को फिल्म का पहला गाना 'जिंगुचा' लॉन्च किया गया। 'ठग लाइफ' पांच जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। यह गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है।कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज, आर महेंद्रन और शिवा अनंत निर्मित 'ठग लाइफ' में कई बेहतरीन कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म में कमल हासन के अलावा सिलाम्बरासन, त्रिषा कृष्णन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी हैं। इसके म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान हैं। आपको बता दें कि इस फिल्म का एलान नवंबर 2022 में किया गया था। यह कमल हासन की बतौर लीड एक्टर 234वीं फिल्म है। पिछले महीने कमल हासन, ए आर रहमान और मणिरत्नम को एक साथ देखा गया था। तभी से चर्चाएं थीं कि तीनों फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए ही काफी दिनों बाद ए आर रहमान, कमल हासन और मणिरत्नम एक साथ आए हैं। मणिरत्नम इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं। एआर रहमान ने फिल्म में बेहतरीन संगीत दिया है। कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली 'ठग लाइफ' 5 जून 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म से हासन और रत्नम की जोड़ी पिछली फिल्म नायकन (1987) के बाद वापसी कर रही है। इसे राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

23 साल लग गए दोबारा डायरेक्टर की टी-शर्ट पहनने में', फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' पर बोले अनुपम खेर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की तैयारियों में जुटे हैं। वे इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी अदाकारी से हिंदी सिनेमा में एक अलग स्थान बनाया है। उन्होंने अलग-अलग शैलियों की फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखाया है। इसके अलावा उन्होंने निर्देशन में भी हाथ आजमाया है। उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'ओम जय जगदीश' (2002) थी। अब एक बार फिर वे 'तन्वी द ग्रेट' के जरिए निर्देशन की दुनिया में लौटे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी इस फिल्म पर बात की। अनुपम खेर ने आज शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे एक टीशर्ट पहने दिख रहे हैं, जिस पर लिखा है, 'डायरेक्टर, 'तन्वी द ग्रेट'। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'मुझे 23 साल लग गए दोबारा निर्देशक की टीशर्ट पहनने में। पहली फिल्म 'ओम जय जगदीश' डायरेक्ट करना मुझे अच्छा लगा था। मेरा जो सामर्थ्य था, मैंने उस हिसाब से फिल्म बनाई। पर उस फिल्म की कहानी मेरी नहीं थी'। अनुपम खेर ने आगे लिखा है, ' फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की कहानी मेरे दिल और आत्मा से निकली है। फिर पिछले 23 साल में जिंदगी ने बहुत कुछ सिखाया भी है और अब फिल्म के रिलीज होने तक आपको तन्वी से जुड़ी बातें, कहानियां और किस्से बताता रहूंगा! परेशान ना होना! ये मार्केटिंग भी है और प्यार भी! जय हो'! एक्टर के इस पोस्ट पर यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी आगामी फिल्म को लेकर बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपको बहुत बधाई, आपके निर्देशन में बनी यह फिल्म देखने के लिए उत्साहित हैं'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप ऐसे ही आगे बढ़िए'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप कमाल का काम करते हैं, आपको बहुत बधाई'।

'हिम्मत, ईमानदारी और संवेदनशीलता से कही गई कहानी', विक्की कौशल ने की केसरी चैप्टर 2 की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म 'केसरी चैप्ट 2' रिलीज होने के बाद से लगातार प्रशंसाएं बटोर रही है। दर्शकों से लेकर बॉलीवुड से जुड़े सितारे भी फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। अब अभिनेता विक्की कौशल ने भी फिल्म की समीक्षा की है। जानिए अभिनेता ने क्या कहा।अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की मच अवेटेड फिल्म 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। रिलीज के बाद से ही फिल्म को लोगों की प्रशंसा मिल रही है। इंडस्ट्री में भी फिल्म को पसंद किया जा रहा है और स्टार्स भी अक्षय कुमार की फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। रिलीज से पहले फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई। जहां सितारों की महफिल सजी। स्क्रीनिंग के बाद विक्की कौशल ने सोशल मीडिया पर फिल्म की समीक्षा की और इसकी खूब तारीफ की। विक्की कौशल ने फिल्म को देखने के बाद इसकी तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में विक्की कौशल ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, ङ्खबहुत ही हिम्मत, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कही गई एक अनकही कहानी। यह एक बेहतरीन निर्देशन वाली फिल्म है। हमारे इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय को पर्दे पर उतारने के लिए करण जौहर, अमृतपाल सिंह बिंद्रा, आनंद तिवारी, अपूर्व मेहता, अदार पूनावाला को बधाई।ङ्क विक्की कौशल ने अपनी स्टोरी में फिल्म के निर्देशक करण त्यागी को भी बधाई दी। सितारों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, अक्षय कुमार, आर. माधवन, अनन्या पांडे, अमित सियाल, बेहतरीन क्लास। बेहतरीन जादू। मिस न करें 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की कहानी 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं पर आधारित है, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम के कम चर्चित अध्याय को उजागर करता है। यह चेत्तूर शंकरन नायर के बारे में है, जो एक बहादुर बैरिस्टर थे, जिन्होंने युद्ध के मैदान के बजाय अदालत में ब्रिटिश शासन को चुनौती दी थी। फिल्म में अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है।

38 साल बाद श्रीनगर पहुंचे इमरान हाशमी, होगी ग्राइंड जीरो की स्क्रीनिंग, शेयर कीं तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इमरान हाशमी अपनी नई फिल्म ग्राउंड जीरो की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। रिलीज से पहले फिल्म की खास स्क्रीनिंग श्रीनगर में होगी, जो 38 साल बाद वहां होने वाली पहली रेड कार्पेट स्क्रीनिंग होगी। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म ग्रांउड जीरो को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म की रिलीज से पहले इसकी खास स्क्रीनिंग श्रीनगर में रखी गई है, जिसकी सूचना खुद इमरान ने सोशल मीडिया की एक पोस्ट के जरिए दी है।यह स्क्रीनिंग सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सैनिकों और अधिकारियों को समर्पित है, जो मुख्य अतिथि होंगे। यह आयोजन उनके साहस और बलिदान को सम्मान देने के लिए है। इमरान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक तेजस देओस्कर के साथ एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में लिखा, 'ग्राउंडजीरो टचडाउन.. ऐतिहासिक दिन श्रीनगर में 38 साल बाद पहली रेड कार्पेट फिल्म स्क्रीनिंग, यह बीएसएफ सैनिकों और उनके अधिकारियों के सम्मान में एक विशेष फिल्म स्क्रीनिंग है।'फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने बीएसएफ के एक साहसी आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन का नेतृत्व किया था। यह ऑपरेशन कुख्यात आतंकवादी गाजी बाबा के खात्मे के लिए जाना जाता है, जिसके लिए धर दुबे को 2005 में कीर्ति चक्र मिला। इमरान ने किरदार के लिए कड़ी मेहनत की, जिसमें महीनों की ट्रेनिंग और सख्त डाइट शामिल थी। फिल्म का ट्रेलर 7 अप्रैल को रिलीज हुआ, जो दर्शकों को बीएसएफ के इस साहसी मिशन की कहानी से रूबरू कराता है। ग्राउंड जीरो को एक्सेल एंटरटेनमेंट ने बनाया है और रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने निर्माण किया हैं। यह फिल्म कश्मीर की पृष्ठभूमि में सेवा और बलिदान की सच्ची कहानी दिखाएगी।

हाथ में झाड़ू और कमर में बंधी साड़ी, राधिका आप्टे ने शेयर किया अपनी फिल्म का पोस्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभनेत्री राधिका आप्टे ने अपनी फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' से जुड़ा एक पोस्टर शेयर किया है। जानिए क्या है पोस्टरराधिका आप्टे ने अपने सोशल मिडिया पर अपनी फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उनके अंदाज ने लोगों को चौंका दिया है। इस पोस्टर में अभिनेत्री हाथ में झाड़ू और कमर साड़ी बांधे हुईं नजर आ रही हैं। अभिनेत्री राधिका आप्टे ने अपने इंस्ट्ग्राम पर एक स्टोरी लगाई है, जिसमें उन्होंने अपनी फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' का एक पोस्टर शेयर किया है। एक्ट्रेस ने जिस पोस्टर को शेयर किया है, उस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'सिस्टर मिडनाइट के यूएस टैक्सी ड्राइवर से प्रेरित आधिकारिक पोस्टर की पहली झलक।' इसके अलावा लिखा कि फिल्म का निर्देशन और लेखन का काम करण कंधारी द्वारा किया गया है। साथ ही कैप्शन में लिखा कि यह फिल्म 16 मई को पहले न्यूयॉर्क में फिर 23 मई को लॉस एंजिलस में और उसके बाद बाकी शहरों में रिलीज की जाएगी। वहीं आपको बताते चलें कि इस पोस्टर को जेम्स पैटरसन द्वारा डिजाइन किया गया है। राधिका आप्टे के इस लुक पर नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसमें एक यूजर ने कमेंट किया कि राधिका एक शानदार कलाकार हैं। दूसरे यूजर ने कमेंट किया कि इस फिल्म का पोस्टर 1976 की 'टैक्सी ड्राइवर' फिल्म के पोस्टर की याद दिलाती है। इसके अलावा अन्य यूजर ने लिखा शानदार फिल्म। अगर राधिका आप्टे के काम के बारे में बात करें तो अभिनेत्री ने 'रात अकेली है', 'ओ माय डॉर्लिंग' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा अभिनेत्री ने कई वेब सीरीज में भी काम किया है और अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है।

आईपीएल मैच के दौरान एक साथ दिखे इब्राहिम अली खान और राशा थडानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के तमाम सितारे आए दिन आईपीएल मैच का लुफ्त उठाने पहुंच रहे हैं। बीते दिन इब्राहिम अली खान और राशा थडानी को एक साथ वानखेड़े स्टेडियम में देखा गया, जिसने फैंस के बीच हलचल पैदा कर दी है।हाल ही में क्रिकेट प्रेमियों के बीच आईपीएल सीजन चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें बॉलीवुड के कई कलाकार भी मैच का लुफ्त उठाने पहुंच रहे हैं। बीते दिन वानखेड़े स्टेडियम में हुए मैच ने लोगों का ध्यान तब खींचा, जब इब्राहिम अली खान और राशा थडानी को वहां स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बीते दिन गुरुवार को आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेला गया। ये मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम हुआ। मैच के दौरान बॉलीवुड एक्टर इब्राहिम अली खान और राशा थडानी को भी मैच का आनंद लेते देखा गया।

'बुल्ला' से लेकर 'बिल्ला जिलानी' तक ये हैं मुकेश ऋषि के 10 यादगार किरदार, बिजनेसमैन से बने एक्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।फिल्मी दुनिया के खूंखार विलेन मुकेश ऋषि आज अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर हम उनके चुनिंदा दस यादगार किरदारों के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही जानेंगे कि वह फिल्मी दुनिया में कैसे आएफिल्मी दुनिया के खूंखार विलेन्स का जब भी जिक्र आएगा, तो उसमें मुकेश ऋषि का नाम आपको टॉप पर ही दिखेगा। 90 से 2000 के दशक तक उन्होंने कई सारी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया। इस दौरान उन्होंने कई सारे पॉजिटिव किरदार भी निभाए। आज मुकेश ऋषि का 69वां जन्मदिन है। इस मौके पर हम जानेंगे उनके दस यादगार किरदारों के बारे में उनके यादगार किरदारों के बारे में जाने से पहले जान लेते हैं कि मुकेश ऋषि फिल्मों में कैसे आए? मुकेश ऋषि का जन्म 17 अप्रैल 1956 को जम्मू में हुआ। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे। मुकेश के पिता चाहते थे कि वह बिजनेस में उनका हाथ बटाएं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता था। हां, उन्हें क्रिकेट खेलना काफी पसंद था। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में कैप्टन हुआ करते थे। कुछ दिनों के बाद उनके पिता मुंबई शिफ्ट हो गए। उन्होंने वहां पर अपना बिजनेस खड़ा कर लिया। कॉलेज के बाद मुकेश ऋषि भी उनके साथ बिजनेस में हाथ बटाने लगे, लेकिन उनका मन नहीं लगता था। इसके बाद वह फिजी चले गए। वहां पर उन्होंने एक डिपार्टमेंटल स्टोर में काम किया। इस दौरान वह मॉडलिंग भी करते रहे। उनके दोस्तों ने उन्हें फिल्में करने की सलाह दी। पिता के निधन के बाद वह मुंबई लौट आए। उन्होंने भाई को बिजनेस संभालने के लिए कहा और खुद एक्टिंग की दुनिया का रुख कर लिया। उन्होंने एक्टिंग स्कूल में एडमिशन लिया और एक्टिंग के गुण सीखे। उन्होंने यश चोपड़ा की साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म 'परंपरा' से डेब्यू किया। शुरू से ही उन्हें विलेन बनना था, इसलिए उन्हें फिल्मों में आने के लिए इंतजार करना पड़ा। सलमान खान की फिल्म जुड़वा (1997) में मुकेश ऋषि ने विलेन का किरदार निभाया है। इस फिल्म में वह रतनलाल 'टाइगर' की भूमिका में हैं। मुकेश ऋषि ने फिल्म में एक अलग अंदाज अपनाया था जिसमें वो किसी को मारने से पहले बांसुरी बजाते थे। सनी देओल की फिल्म 'घातक' में मुकेश ऋषि ने डैनी डेंजोंगपा (कातिया) के भाई 'चीना' का किरदार निभाया है। इस फिल्म से उन्होंने काफी प्रभाव छोड़ा था। यह किरदार मुकेश ऋषि के करियर के शुरुआती दौर के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक माना जाता है। साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म 'गुंडा' में मुकेश ऋषि ने 'बुल्ला' का किरदार निभाया है। विलेन होने के बावजूद इस फिल्म में जिस तरह से वह डायलॉग का उपयोग करते हैं। वह थोड़ा हंसने पर भी मजबूर कर देता है। हर मर्डर करने के पहले मुकेश ऋषि का यह किरदार यह डायलॉग बोलता है- ङ्खमेरा नाम है बुल्ला रखता हूं खुल्ला।ङ्क इस डायलॉग के सोशल मीडिया पर मीम भी बहुत बनते हैं।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दिया पृथ्वीराज को अवॉर्ड, 'आडुजीवितम' के लिए मिला पुरस्कार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने उनकी फिल्म 'आडुजीवितम' में उनके सर्वक्षेष्ठ अभिनय के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया है।पृथ्वीराज सुकुमारन इन दिनों अपनी फिल्म 'एल 2 एम्पुरान' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ मोहनलाल भी मुख्य भूमिका में नजर आए। इसी बीच पृथ्वीराज को उनकी फिल्म 'आडुजीवितम - द गोट लाइफ' के लिए सर्वक्षेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे सुनकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं।16 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम में आयोजित 54वें केरल राज्य फिल्म पुरस्कार समारोह में अभिनेता-निर्देशक पृथ्वीराज सुकुमारन को फिल्म 'आडुजीवितम - द गोट लाइफ' में नजीब की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार मलयालम सिनेमा और इसकी बेहतरीन प्रतिभाओं के लिए आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा प्रदान किया गया।आडुजीवितम फिल्म के निर्देशक ब्लेसी ने इंस्टाग्राम पर पृथ्वीराज के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं और 54वें केरल राज्य में मिले सम्मान की झलकियां पेश कीं। उन्होंने कुछ शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, '54वें केरल राज्य फिल्म पुरस्कारों में आजुजीविथम ने चमक बिखेरी। यह गर्व और कृतज्ञता का क्षण है क्योंकि हमारी फिल्म को 9 प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं, जो हमारी टीम के अथक जुनून और हमारे दर्शकों के अविश्वसनीय समर्थन का प्रमाण है।आगे ब्लेसी ने लिखा, 'ये सिर्फ प्रशंसाएं केवल पुरस्कार नहीं हैं - वे हर फ्रेम में डाली गई अथक रचनात्मकता, दिल और प्रतिबद्धता का उत्सव हैं।'पृथ्वीराज के पिता, अभिनेता सुकुमारन, अपने परिवार से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले व्यक्ति थे। इसके बाद में यह सम्मान साउथ अभिनेता मोहनलाल को मिल चुका है। अब यह अवॉर्ड पृथ्वीराज सुकुमारन को मिला है।पृथ्वीराज की 'आडुजीवितम' एक मलयाली अप्रवासी मजदूर की कहानी है, फिल्म में पृथ्वीराज एक चरवाहे के किरदार में नजर आने वाले है, जिन्हें गुलामी के लिए मजबूर किया जाता था। 'आडुजीवितम- द गोट लाइफ' में पृथ्वीराज के अलावा अमला पॉल, जिमी जीन-लुई, शोभा मोहन, केआर गोकुल, तालिब अल बलुशी, रिक एबी और नाजर करुथेनी जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आए। वहीं, फिल्म का निर्देशन दिग्गज डायरेक्टर ब्लेसी ने किया है।

प्रीति जिंटा ने इस बात के लिए की युजवेंद्र चहल की तारीफ, शेयर की 16 साल पुरानी तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की खूब तारीफ की है। युजवेंद्र चहल हाल ही में अपनी पत्नी धनश्री वर्मा के साथ तलाक को लेकर चर्चा में थे। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला?आईपीएल 2025 में टीम किंग 11 ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। ऐसे में अभिनेत्री प्रीति जिंटा अपनी टीम से बहुत खुश हैं और उन्होंने टीम की खूब तारीफ की है। पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स से जबरदस्त जीत हासिल की, जिसमें क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने अहम भूमिका निभाई है। इस जीत के बाद प्रीति जिंटा ने युजवेंद्र चहल की खूब तारीफ की है और उनके ऊपर सोशल मीडिया पर एक बेहतरीन पोस्ट लिखी है।प्रीति जिंटा ने अपने एक्स हैंडल पर युजवेंद्र चहल के साथ तीन तस्वीरें शेयर कीं हैं। एक तस्वीर में प्रीति जिंटा हैं और युजवेंद्र चहल बैठे हुऐ हैं। दूसरी तस्वीर में प्रीति जिंटा चहल को गले लगाती हुई नजर आ रही हैं, जबकि तीसरी तस्वीर में प्रीति जिंटा और चलह एक ट्रॉफी पकड़े हैं और दोनों मुस्कुरा रहे हैं। प्रीति जिंटा ने एक्स पोस्ट में लिखा है 'यह कैसे शुरू हुआ और कैसे चल रहा है। मैं युजवेंद्र से 2009 में किंग्स कप के दौरान चंडीगढ़ में मिली। मैं क्रिकेट में नई थी और वह अंडर-19 क्रिकेटर थे। इस बात को 16 साल हो गए हैं। इन सालों में मैंने उन्हें बढ़ते और क्रिकेट की दुनिया में नाम कमाते हुए देखा है। मैं हमेशा चाहती थी कि वह मेरी टीम में रहें, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। (अब वह टीम में हैं) हमारी टीम का आखिरी खेल इस बात का उदाहरण था कि मैं चहल की फैन क्यों थी। मैं तुम्हें अपनी टीम में लाकर खुश हूं। हमेशा तुम्हें मुस्कुराते और चमकते हुए देखना चाहती हूं।' आपको बता दें कि युजवेंद्र चहल हाल ही में अपनी पत्नी धनश्री वर्मा के साथ तलाक को लेकर चर्चा में थे। युजवेंद्र चहल ने 22 दिसंबर 2020 को कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा से शादी की थी। 20 मार्च 2025 को दोनों का अधिकारिक तौर पर तलाक हो गया। वकील ने इस बात की तस्दीक की कि दोनों का अधिकारिक तौर पर तलाक हो गया है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।